वर्ष 24, अंक 305, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 14 मई 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मोदी कैबिनेट ने गैस संकट को दूर करने के लिए उठाया बड़ा कदम

देश में अब कोयले से बनेगी गैस, खरीफ फसलों का एमएसपी बढ़ाने को भी मंजूरी दी

नई दिल्ली

वर्तमान वैश्विक चुनौतियों और गैस आपूर्ति को लेकर पैदा हो रहे संकट के बीच मोदी सरकार ने बड़ा मास्टर स्ट्रोक चलते हुए देश के विशाल कोयला भंडार को ऊर्जा आत्मनिर्भरता का आधार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कोयले से गैस बनाने की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी गयी। सरकार का मानना है कि अगले चार से पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर कोयले से गैस का उत्पादन शुरू होने पर भारत गैस के मामले में आत्मनिर्भर बन सकेगा और उसे वर्तमान जैसी वैश्विक आपूर्ति चुनौतियों तथा आयात निर्भरता का सामना नहीं करना पड़ेगा। आज लिये गये फैसलों की जानकारी संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी।

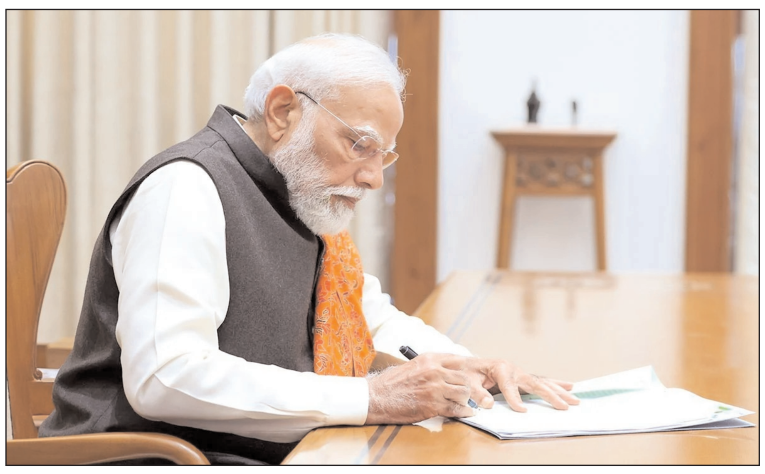

उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये 37 हजार 500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन कोयले के गैसीकरण के राष्ट्रीय लक्ष्य को गति देना है। इसके तहत लगभग 7 करोड़ 50 लाख टन कोयला और लिग्नाइट के गैसीकरण का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और एलएनजी, यूरिया, अमोनिया तथा मेथनाल जैसे उत्पादों के आयात पर निर्भरता कम होगी। योजना के अंतर्गत संयंत्र और मशीनरी लागत का अधिकतम 20 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जायेगा। किसी एक परियोजना के लिये पांच हजार करोड़ रुपये तक की सीमा तय की गयी है। सरकार ने यह भी फैसला किया है कि गैसीकरण परियोजनाओं के लिये कोयला आपूर्ति अवधि को बढ़ाकर 30 वर्ष किया जायेगा ताकि निवेशकों को दीर्घकालिक स्थिरता मिल सके। इस योजना से लगभग ढाई से तीन लाख करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है और करीब 50 हजार प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। सरकार के अनुसार इससे राज्यों को हर वर्ष लगभग छह हजार 300 करोड़ रुपये का राजस्व भी प्राप्त होगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में खरीफ विपणन मौसम 2026-27 के लिये 14 खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी गयी। सरकार ने कहा कि इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। सूरजमुखी के बीज के समर्थन मूल्य में सबसे अधिक 622 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। इसके बाद कपास में 557 रुपये, रामतिल में 515 रुपये और तिल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गयी है। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर 2441 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। अरहर का समर्थन मूल्य 8450 रुपये, मूंग का 8780 रुपये और उड़द का 8200 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। सरकार ने कहा कि वर्ष 2018-19 के बजट में किये गये वादे के अनुरूप किसानों को उत्पादन लागत का कम से कम डेढ़ गुना मूल्य सुनिश्चित किया जा रहा है। मूंग पर किसानों को लागत से 61 प्रतिशत, बाजरा और मक्का पर 56 प्रतिशत तथा अरहर पर 54 प्रतिशत लाभ मिलने का अनुमान है। सरकार ने यह भी बताया कि वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान धान खरीद 8418 लाख टन रही, जबकि इससे पहले के दस वर्षों में यह 4590 लाख टन थी।

महंगाई का झटका! देशभर में कल से अमूल दूध के बढ़ जाएंगे दाम, 2 रुपये बढ़ाने का फैसला

नई दिल्ली

आम आदमी की जेब पर एक बार फिर से बड़ी सेंध लगने वाली है. रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले दूध की कीमतों में इजाफा देखने को मिलने वाला है. डेयरी इंडस्ट्री से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जो हर आम आदमी के लिए जानना बेहद जरूरी है. दरअसल अमूल मिल्क ब्रांड ने दूध के दामों को बढ़ाने का फैसला कर लिया है.

कितने बढ़ेंगे दाम?

अमूल की तरफ से ताजा अपडेट सामने आया है, कि अब उपभोक्ताओं को कल से अमूल का एक लीटर दूध खरीदने पर 2 रुपये ज्यादा देना होंगे. यानी अमूल ने एक लीटर दूध पर 2 रुपये की वृद्धि की है. ये फैसला अमूल मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन की तरफ से लिया गया है. कीमतें कल यानी 14 मई से देशभर में लागू हो जाएंगी. जिसका सीधाअसर आम आदमी की जेब पर पड़ने वाला है. अमूल दूध की कीमत में 1 से 3 रुपये तक का इजाफा हुआ है, जिसके बाद अमूल ताजा का 500टछ के दूध के पैकेट की कीमत 28 रुपये से बढ़कर 29 रुपये हो जाएगी।

बंगाल में अब सड़कों पर नमाज नहीं, अजान की तेज आवाज बंद

पश्चिम बंगाल

देश के दूसरे राष्ट्रपति रहे प्रसिद्ध विद्वान सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा है कि शासन का उद्देश्य केवल सत्ता चलाना नहीं बल्कि समाज में नैतिकता और न्याय स्थापित करना है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अपने फैसलों से समाज में समानता और न्याय की स्थापना कर रहे हैं। सीएम ने आम नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नया आदेश जारी किया है।

अब Tejas Mk1A संभालेगा पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा का जिम्मा

नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना अब स्वदेश में विकसित तेजस Mk1A लड़ाकू विमान को पश्चिमी सीमा पर तैनात करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। वायु सेना की योजना है कि तेजस Mk1A के पहले चार स्क्वॉड्रनों को राजस्थान के अग्रिम वायु ठिकानों पर तैनात किया जाए।

इनमें बीकानेर स्थित नाल वायु सेना स्टेशन और फलोदी वायु सेना स्टेशन प्रमुख हैं। पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित होने के कारण ये दोनों ठिकाने सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। देखा जाये तो यह कदम भारत की सैन्य आधुनिकीकरण नीति, पश्चिमी मोर्चे की रणनीति और स्वदेशी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन माना जा रहा है। भारतीय वायु सेना लंबे समय से पुराने सोवियत काल के मिग-21 बाइसन विमानों को चरणबद्ध तरीके से सेवा से हटाने की प्रक्रिया में लगी हुई है। नाल वायु ठिकाना कई दशकों तक मिग-21 बाइसन स्क्वॉड्रनों का प्रमुख संचालन केंद्र रहा है। अब इन पुराने विमानों की जगह तेजस Mk1A लेने जा रहा है। रक्षा सूत्रों के अनुसार नाल वायु सेना स्टेशन पर तेजस ट'1अ के पहले और तीसरे स्क्वॉड्रन को तैनात किया जाएगा।

वहीं फलोदी वायु सेना स्टेशन पर दूसरे स्क्वॉड्रन की तैनाती की तैयारी चल रही है।

घुसपैठियों को देखते ही सेना ने ललकारा, दोनों ओर से हुई दनादन फायरिंग, 1 आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के अनुसार यह घटना कृष्णा घाटी अग्रिम क्षेत्र में हुई, जहां सतर्क सैनिकों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की ओर से भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया। सेना के जवानों ने तुरंत उन्हें ललकारा, जिसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। इस कार्रवाई में एक घुसपैठिया मारा गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि लगातार निगरानी के दौरान शाम करीब चार बजे नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। बताया गया कि घुसपैठिए भारतीय क्षेत्र में लगभग तीन सौ मीटर भीतर तक आने की कोशिश कर रहे थे। सेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस प्रयास को विफल कर दिया। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार मारा गया घुसपैठिया लश्कर ए तैयबा से जुड़ा हो सकता है।

जेपीसी जांच और इस्तीफे की मांग तेज

नई दिल्ली

भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया और कथित NEET-UG परीक्षा के पेपर लीक को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लकरा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी रायसीना रोड की ओर बढ़े और मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा जांच की मांग की। आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए आलोचना की।

कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को रद्द किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए और पेपर लीक मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। कांग्रेस की युवा ईकाई भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और छात्र इकाई एनएसयूआई के अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से यह भी कहा कि सरकार को परीक्षा रद्द होने से प्रभावित बच्चों को उचित मुआवजा प्रदान करना चाहिए।

चिब ने कहा, नीट पेपर लीक एक बड़ा मुद्दा है। पिछले 10 साल में 89 पेपर लीक हुए हैं और 48 बार दोबारा परीक्षाएं हुई हैं। यानी सरकार ने बच्चों के प्रति अपनी जवाबदेही खत्म कर दी है। उन्होंने कहा, हम उन बच्चों की जगह खुद को रखकर देखें तो शायद उनका दर्द महसूस कर पाएं। बच्चे मेहनत से परीक्षा देते हैं।

सीएम योगी की मंत्रियों को सलाह, कहा- '6 महीने तक विदेश यात्रा से बचें'

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली कैबिनेट बैठक ली. इस अहम मीटिंग में वैश्विक संकट को देखते हुए पीएम मोदी की अपील के बाद सीएम योगी ने मंत्रियों को अगले छह महीने तक विदेशी यात्रा से बचने की सलाह दी है. साथ ही कहा है कि एक दिन सभी मंत्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें.

कैबिनेट मीटिंग में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों से कहा कि ईंधन संरक्षण राष्ट्रीय दायित्व है और यूपी कैबिनेट सभी के लिए आदर्श होना चाहिए.

इसलिए सभी मंत्री सप्ताह में एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें. सीएम ने आगे कहा कि मेट्रो, बस, ई-रिक्शा और कारपूलिंग उपयोग को कार्यसंस्कृति में अपनाएं.

'6 महीने तक विदेश यात्रा से बचें'

बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों और अधिकारियों से अगले छह महीने तक विदेश यात्राओं से परहेज करने की सलाह दी है. साथ ही कहा है कि वाहन फ्लीट 50 प्रतिशत तक कम करें.

वर्क फ्रॉम होम पर दिया जोर

सीएम ने कहा कि ऑफिस में एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें।

पीएम की अपील का बड़ा असर, राजनाथ सिंह ने छोटा किया अपना काफिला

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने काफिले का आकार लगभग आधा कर दिया है।राजनाथ सिंह का यह कदम तब आया है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच नागरिकों से 'सात अपीलें' की थीं। इन अपीलों का मकसद आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करके और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाकर देश की आर्थिक मजबूती में योगदान देना था।

पीएम मोदी ने लोगों से आग्रह किया था कि वे सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करके पेट्रोल और डीजल की खपत कम करें। उन्होंने इस दौरान वैश्विक उथल-पुथल और बढ़ती कीमतों के असर को भी रेखांकित किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने काफिले का आकार काफी कम कर दिया है, जबकि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (रढत्र) प्रोटोकॉल के तहत जरूरी सभी सुरक्षा इंतजामों को बरकरार रखा है।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद, अमित शाह ने भी सुरक्षा प्रोटोकॉल से समझौता किए बिना अपने काफिले के साथ चलने वाली गाड़ियों की संख्या कम करने का फैसला किया। पर्यावरण को बचाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, पीएम मोदी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जहाँ भी मुमकिन हो, उनके काफिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ शामिल की जाएँ, बिना कोई नई गाड़ी खरीदे।

इसी राह पर चलते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी मंत्रियों, विधायकों और दूसरे जन प्रतिनिधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सरकारी गाड़ियों पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

मंगलवार को एक एक्स पोस्ट में रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए देश के नागरिकों से पेट्रोल-डीजल बचाने और ऊर्जा संरक्षण को एक जन-आंदोलन बनाने की अपील की है।

'सड़कों पर उतरो, यह घिनौना खेल बंद करो'

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के बाद NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में जनरेशन से सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि 2014 से अब तक परीक्षा पेपर लीक की 93 से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं, जिनसे छह करोड़ से अधिक युवा प्रभावित हुए हैं।

पेपर लीक में वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता का संकेत देते हुए केजरीवाल ने जनरेशन से सवाल किया कि क्या केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), जो इस जांच का नेतृत्व करेगी, कोई सुधारात्मक कदम उठा पाएगी। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से परीक्षा की प्रश्नपत्र लीक होने की 93 घटनाएं हुई हैं।

इनमें से अधिकतर घटनाएं भाजपा सरकारों के कार्यकाल में हुई हैं।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की मौत

प्रतीक यादव को सीएम योगी, सुरेश खन्ना, अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि, डिंपल, शिवपाल भी मौजूद

उत्तर प्रदेश

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की मौत की खबर ने सबको सन्न कर दिया है. इस बीच मेदांता अस्पताल की डॉक्टर रुचिता शर्मा जो प्रतीक का इलाज कर रही थीं, उन्होंने बताया कि अप्रैल में प्रतीक एडमिट हुए थे. उनको ब्लड थीनर्स चल रहे थे. हमारे हिसाब से उनको थोड़े दिन और रहना था. लेकिन दो दिन एडमिट होने के बाद वह खुद से अस्पताल से निकल गए. उन्होंने लीव अगेंस्ट मेडिकल एडवाइज लिया था.

बहुत अच्छे पैसेंट थे- डॉक्टर रुचिता शर्मा

डॉक्टर रुचिता शर्मा ने बताया, "प्रतीक यादव के बारे सुना बहुत दुख हुआ. वो हमारे पुराने पेसेंट थे. अभी कुछ दिन पहले उनका यहां एडमीशन हुआ था. उनको ढ४'ङ्क्ल्लं१८ ऐङ्क'२ हुआ था जिसमें ब्लड का क्लाउड धमनियों में जाकर जमा हो जाता है. उसकी वजह से उनके हार्ट पर असर आया था. बीपी की दवाई लेते थे. बहुत अच्छे पैसेंट थे. समय-समय पर दवाई लेते थे. अभी क्या हुआ इसके बारे में कुछ नहीं कह सकते."

कैसे हुई प्रतीक यादव की मौत

शुरूआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक, फेफड़ों में खून के थक्के जमने से प्रतीक यादव की मौत हो गई. थक्के जमने से दिल और फेफड़े ने काम करना बंद कर दिया. रिपोर्ट में मौत से पहले पहले शरीर पर चोट के निशान का जिक्र है.

कल होगा अंतिम संस्कार

प्रतीक यादव का गुरुवार (14 मई) को दोपहर डेढ़ बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा. पिपरा घाट पर अंतिम संस्कार होगा. पोस्टमार्टम के बाद उनका शव घर लाया गया.

कब क्या हुआ?

सुबह 5 से 5:55 बजे के बीच अचानक तबीयत बहुत बिगड़ गई

सिविल अस्पताल डायरेक्टर को फोन गया

सिविल अस्पताल से डॉक्टर घर गए

डॉक्टरों ने अस्पताल ले जाने के लिए कहा

सुबह 5:55 बजे 20 लोग लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे

डॉक्टरों ने प्रतीक को मृत घोषित किया

अस्पताल लाने से पहले मौत हो चुकी थी

सुबह 7:15 बजे शव सिविल अस्पताल से KGMU भेजा गया।

भीषण तूफान से सहसों क्षेत्र बेहाल, पेड़ व बिजली पोल गिरने से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई घायल

अखंड भारत संदेश

सहसों। क्षेत्र में आए भीषण आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाते हुए जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं और तूफान के चलते सहसों बाजार, सिंगरामऊ समेत आसपास के कई गांवों में पेड़ उखड़ गए, बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए तथा विद्युत तार टूटकर जमीन पर गिर पड़े, जिससे पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई।

तूफान के दौरान पेड़ों और डालियों के गिरने से कई लोग घायल हो गए। सिंगरामऊ गांव निवासी पिंटू पुत्र देवमणि के ऊपर नीम की भारी डाल गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए शहर के अस्पताल पहुंचाया। इसी प्रकार चंदा पुत्र राधेश्याम भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए।

आंधी की तेज रफ्तार से कई मकानों के छज्जे उड़ गए और लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। सिंगरामऊ के पूर्व प्रधान के घर पर नीम का विशाल पेड़ गिरने से बिजली का तार टूट गया, जिसके बाद पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई।

सहसों बाजार में भी तूफान का व्यापक असर देखने को मिला। कई स्थानों पर पेड़ गिरने से लगभग आधा दर्जन विद्युत पोल टेढ़े हो गए

तथा केबल तार टूटकर नीचे गिर पड़े। इससे पूरे बाजार की बिजली व्यवस्था ठप हो गई और लोगों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ी।

बाजार निवासी चंद्रधर द्विवेदी एवं राजकुमार सिंह के घरों के सामने भी पेड़ जड़ से उखड़कर गिर पड़े। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई।

तूफान के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। स्थानीय लोग बिजली विभाग और प्रशासन से जल्द आपूर्ति बहाल कराने तथा क्षतिग्रस्त पेड़ों एवं तारों को हटवाने की मांग किया है।

प्रयागराज में आंधी-तूफान में ईंट गिरने से बच्चे की मौत : डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, परिजनों में शोक का माहौल

मांडा। प्रयागराज यमुनापार क्षेत्र के चिलबिला मांडा में बुधवार शाम तेज आंधी-तूफान के दौरान एक दुखद हादसा हो गया। शाम करीब 6 बजे तीन मंजिला मकान की छत से ईंट-पत्थर नीचे गिरा, जिसकी चपेट में आने से अंश कुमार उम्र(11) पुत्र श्याम बाबू, निवासी चिलबिला मांडा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने अंश को तत्काल एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिवार में मातम छा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। घटनास्थल पर चिलबिला प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश सिंह, सूर्य शेखर सिंह, सुरेश शुक्ला, नीलू सिंह सहित कई ग्रामवासी भी मौजूद रहे।

न्यू आरएस जे स्कूल में मेधावियों का हुआ सम्मान

झूंसी। सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित हुआ, जिसमें झूंसी छतनाग स्थित न्यू आरएसजे पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की छात्रा आयुषी गुप्ता और सुप्रिया मिश्रा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं सृष्टि सिंह, प्रीतम और प्रिया बिंद ने 92 प्रतिशत तथा आकृति मिश्रा ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुमन जायसवाल ने बताया कि 12वीं की परीक्षा में एक दर्जन से अधिक विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में मेधावी छात्रों का मुंह मीठा कराकर उन्हें मेडल और सील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया।

पिलखिनी में पेड़ घर पर गिरा, जनजीवन अस्त-व्यस्त भारी नुकसान

जंघई। आसपास के क्षेत्रों में बुधवार को करीब 4 बजे आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। अचानक मौसम बदलने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। तेज हवाओं के कारण कई पुराने पेड़ जड़ सहित उखड़ गए। इसके अलावा, कई स्थानों पर बिजली के खंभे और तार टूटने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। पिलखिनी गांव निवासी गिरीश चंद्र मिश्र के पक्के मकान पर पुराना पेड़ गिर गया जिससे मकान जगह जगह टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया है, परिजनों ने भागकर किसी तरह जान बचाई। जंघई बाजार के आसपास विभिन्न गांवों में आंधी और बारिश से लोगों का भारी नुकसान हुआ। कई मकानों की टीन शेड उड़ गईं और कुछ स्थानों पर दीवारें गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। घरों और दुकानों के बाहर गिरे पेड़ों से संपत्ति को क्षति पहुंची। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर पेड़ गिरने से आवागमन भी प्रभावित रहा। तूफान से बिजली विभाग की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बंद रहने की आशंका है। सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और व्यवस्था दुरुस्त करने का कार्य जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तूफान इतना तेज था कि कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया था।

मौसम फिर बदलेगा तेवर, तापमान बढ़ने के साथ प्रदेश में दोबारा चल सकती है लू

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते दक्षिणी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड क्षेत्र में एक बार फिर लू चलने की संभावना बन रही है। बुधवार को बुंदेलखंड के कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश के पश्चिमोत्तर हिस्से में बने चक्रवाती परिसंचरण और दक्षिणी राजस्थान से आ रही पुरवा हवाओं की मध्य क्षोभमंडल की पछुआ हवाओं से प्रतिक्रिया हो रही है। इसी के प्रभाव से प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश देखने को मिली। कई स्थानों पर 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जबकि कुछ क्षेत्रों में तूफान की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक दर्ज की गई।

हालांकि तेज हवाओं और बारिश से कुछ समय के लिए राहत मिली, लेकिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में फिर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा, जिससे गर्मी और अधिक बढ़ सकती है।

विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और गर्म हवाओं से सतर्क रहने की सलाह दी है।

विदाई से पहले प्रेमी संग फरार हुई दुल्हन, बारातियों में मचा हड़कंप

- प्रेमी को फोन कर बुलाया, शादी के अगले ही दिन फरार हुई दुल्हन
- दुल्हन के फरार होने से शादी समारोह में मचा बवाल, पुलिस जांच में जुटी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यमुनापार के कौंधियारा थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया, जब विवाह की सभी रस्में पूरी होने के बाद विदाई से ठीक पहले दुल्हन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही लड़की पक्ष के घर में अफरा-तफरी मच गई, जबकि दूल्हा पक्ष विदाई की तैयारी में घंटों इंतजार करता रहा। मामले की सूचना पुलिस को दी गई है, जिसके बाद पुलिस युवती और उसके कथित प्रेमी की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को गांव में धूमधाम से बारात आई थी। द्वारचार, जयमाल और विवाह की अन्य रस्में देर रात तक संपन्न हुईं। बुधवार सुबह करीब नौ बजे परंपरा के अनुसार दूल्हे को आंगन में बैठाकर खिचड़ी खिलाने की रस्म निभाई जा रही थी। इसी दौरान दुल्हन ने मौका पाकर अपने प्रेमी को फोन कर घर के पास बुला लिया। बताया जा रहा है कि कुछ ही देर बाद वह चुपचाप घर से निकलकर प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गई।

खिचड़ी की रस्म पूरी होने के बाद घर की महिलाएं दुल्हन को विदाई के लिए तैयार करने उसके कमरे में पहुंचीं तो वह वहां नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो परिवार के लोगों के होश उड़ गए। इस बीच कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने युवती को गांव के बाहर एक युवक के साथ बाइक पर जाते देखा था। इसके बाद परिजन तत्काल उसकी तलाश में जुट गए।

परिजनों का आरोप है कि बगल के गांव का रहने वाला एक युवक युवती को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी जब दोनों का कोई सुराग नहीं मिला तो करछना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस युवक के घर पहुंची, लेकिन वह भी घर से गायब मिला। पुलिस ने मामले में युवक के एक करीबी दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी माध्यमों से दोनों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

उधर, लोकलाज और सामाजिक बदनामी के डर से लड़की पक्ष ने दूल्हा पक्ष को दुल्हन के फरार होने की सही जानकारी नहीं दी। उन्हें बताया गया कि दुल्हन की अचानक तबीयत खराब हो गई है, जिसके कारण विदाई में देर हो रही है। वहीं दूल्हा पक्ष के लोग घंटों गांव में रुके रहे और विदाई का इंतजार करते रहे। गांव में यह घटना पूरे दिन चर्चा का विषय बनी रही। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही दोनों को खोज लिया जाएगा।

थाना सराय ममरेज में द होमलेस फाउंडेशन द्वारा जनसेवा हेतु महत्वपूर्ण सहयोग

पुलिसकर्मियों एवं आमजन की सुविधा हेतु वाटर प्यूरीफायर, कूलर एवं फ्रिज किए भेंट

अखंड भारत संदेश

जंघई। सामाजिक सेवा, मानव कल्याण एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्यरत प्रतिष्ठित संस्था द होमलेस फाउंडेशन, मुंबई द्वारा थाना सराय ममरेज, प्रयागराज में जनहित एवं पुलिसकर्मियों की सुविधा हेतु महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। संस्था के ट्रस्टी शशांक सिंह द्वारा थाना परिसर में 02 वाटर प्यूरीफायर, 01 कूलर एवं 01 फ्रिज भेंट किया गया, जिससे थाना परिसर में कार्यरत पुलिसकर्मियों एवं वहां आने वाले आम नागरिकों को स्वच्छ पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर थाना सराय ममरेज के प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार मिश्र सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग ने संस्था द्वारा किए गए इस सराहनीय एवं प्रेरणादायक कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सहयोग न केवल पुलिसकर्मियों के कार्य वातावरण को बेहतर बनाएगा, बल्कि थाना परिसर में आने वाले आमजन को भी राहत एवं सुविधा प्रदान करेगा। द होमलेस फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाजसेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संस्था विशेष रूप से शिक्षा सहायता, वृद्धजन सहयोग, भोजन वितरण, स्वास्थ्य एवं मेडिकल सहायता जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद एवं वंचित लोगों की सेवा कर रही है। संस्था द्वारा

समय-समय पर गरीब एवं असहाय लोगों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम, जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा सहायता, बुजुर्गों के लिए सहयोग एवं चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती रही है। संस्था का उद्देश्य समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना एवं मानवता की सेवा को मजबूत करना है। द होमलेस फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन एवं सहयोग की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं। थाना सराय ममरेज पुलिस परिवार ने द होमलेस फाउंडेशन एवं ट्रस्टी शशांक सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति एवं सफल सामाजिक कार्यों की मंगलकामना की। साथ ही यह विश्वास व्यक्त किया कि संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित एवं जनसेवा के कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं।।

जंघई। जंघई, पड़ान गांव निवासी ओमप्रकाश पांडेय के निवास पर सुंदर कांड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मानस गायकों द्वारा प्रभु श्रीराम की महिमा का बखान किया गया। सुंदर कांड का पाठ अनंत काल से होता

चला आ रहा है परिवार, समाज की मंगल कामना हेतु किया जाने वाला यह पाठ अत्यंत ही शुभ फलदायक है। पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के गुणों का बखान करने वाली सुंदर कांड बहुत ही शुभकारी एवं मंगलकारी होता है इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। परिजनों में रितेश पांडेय डीएम, विमल कानपुर, शिवम पांडेय, नितेश पांडेय पवन, प्रितेश पांडेय, रितेश पांडेय, अथर्व पांडेय, वाशू पांडेय एवं आंगतुकों में गरुण पांडेय, विजय शंकर पांडेय, रामअचल पांडेय, लालमणि पांडेय, हीरामणि पांडेय, अशोक पांडेय, पप्पू पांडेय, सिपाही पांडेय, राजकुमार सिंह सचिव, संदीप शुक्ला, बाबुल नाथ दुबे, प्रमिल दुबे, मुन्ना पांडेय, रिंकू सिंह, पवन तिवारी, अभिषेक पांडेय, राजन पांडेय, चांद बाबू, हरिश्चंद्र मिश्रा प्रधान, बच्चन मिश्रा प्रधान, कल्लू जायसवाल, सिंपी सिंह, संदीप तिवारी, धनंजय पांडेय, हर्ष जायसवाल, प्रीतम जायसवाल, आर्यन जायसवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

क्षेत्र के छात्र- छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए किया प्रेरित

अखंड भारत संदेश

जंघई। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदया के आदेश के अनुपालन में प्राचार्य डॉ0 नीरज के नेतृत्व मे नागरिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंघई, जौनपुर के प्राध्यापकों प्रो रवि कुमार मिश्र, डॉ0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 आयुषी मौर्य एवं तृतीय श्रेणी कर्मचारियों हर्षवर्धन सिंह, कृष्णराज शुक्ल, अनुज तिवारी और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कृष्ण कुमार यादव द्वारा छात्र संख्या वृद्धि एवं उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु बुधवार को भी विशेष संपर्क अभियान चलाया गया। प्राचार्य डॉ0 नीरज के नेतृत्व मे समाजशास्त्र विभाग प्रभारी प्रो रवि कुमार मिश्र, मनोविज्ञान विभाग प्रभारी डॉ0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग की प्राध्यापिका डॉ0 आयुषी मौर्य एवं उक्त कर्मचारियों द्वारा 5 विद्यालयों नागरिक इण्टर कालेज जंघई, जनता इण्टर कालेज चितांव, इण्टरमीडिएट कालेज दुगार्गंज, गंगादीन रामकुमार इण्टर कालेज बंधवा एवं महर्षि दयानंद सरस्वती विद्यापीठ इण्टर

कालेज अनुवां मे जाकर प्रधानाचार्यों, शिक्षको, शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें उच्च शिक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। साथ ही विद्यार्थियों को नागरिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंघई, जौनपुर में संचालित स्नातक कला / विज्ञान वर्ग एवं परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्य एवं शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित स्किल डेवलपमेंट, प्लेसमेंट, कैरियर मार्गदर्शन, छात्रवृत्ति, खेलकूद प्रशिक्षण एवं रोजगारपरक शिक्षा से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। एससी/एसटी वर्ग के विद्यार्थियों का निशुल्क प्रवेश, सुरक्षित परिवेश और उपचारात्मक कक्षाओं के साथ साथ आनलाइन/आफलाइन शिक्षण की व्यवस्था के संदर्भ मे भी बताया। प्राचार्य ने बताया कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास भी अत्यंत आवश्यक है, जिससे छात्र-छात्राएं आत्मनिर्भर बन सकें और उनका सर्वांगीण विकास हो सके। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों ने भविष्य एवं हित को दृष्टिगत रखते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

निजी अस्पतालों के सहयोग से टीबी मुक्त बनने की ओर प्रयागराज

सहसों। जनपद को टीबी मुक्त बनाने की सरकारी मुहिम में अब निजी स्वास्थ्य क्षेत्र भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। HLFPPT PPSA कार्यक्रम के तहत निजी चिकित्सक और अस्पताल टीबी मरीजों की पहचान और उपचार में स्वास्थ्य विभाग का सहयोग कर रहे हैं।

जिला परियोजना समन्वयक महेंद्र मिश्रा ने बताया कि निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में आने वाले संभावित मरीजों की नियमित टीबी स्क्रीनिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में करीब 60 प्रतिशत मरीज निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर निर्भर रहते हैं, इसलिए टीबी उन्मूलन अभियान में निजी क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों से मिल रहे सहयोग के कारण नए टीबी मरीजों की समय पर पहचान हो रही है और उनका इलाज जल्द शुरू कराया जा रहा है। मरीजों की जानकारी साझा होने से संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने में भी मदद मिल रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि सरकारी और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से प्रयागराज जल्द ही टीबी मुक्त जनपद बनने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।

श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह देखकर भाव-विभोर हुए बभनियांव गांव निवासी

जंघई। बभनियांव, शुक्लान पंडितान गांव में मुख्य यजमान विष्णुभूषन शुक्ल एवं गीता देवी के निवास पर आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव में छठवें दिन कथा व्यास राघवेंद्र प्रप्पनाचार्य जी महाराज श्रीधाम वृंदावन ने उधव चरित्र, महारासलीला व रुक्मिणी मंगल विवाह का संगीतमय वर्णन किया। महाराज ने कहा कि गोपियों ने भगवान श्रीकृष्ण से उन्हें पति रूप में पाने की इच्छा प्रकट की भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की इस कामना को पूरी करने का वचन दिया। अपने वचन को पूरा करने के लिए भगवान ने महारास का आयोजन किया। इसके लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को मिलने के लिए कहा गया। सभी गोपियां सज-धजकर नियत समय पर यमुना तट पर पहुंच गईं। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां अपनी सुध-बुध खोकर कृष्ण के पास पहुंच गईं। उन सभी गोपियों के मन में कृष्ण के नजदीक जाने, उनसे प्रेम करने का भाव तो जागा इसके बाद भगवान ने रास आरंभ किया। माना जाता है कि वृंदावन स्थित निधिवन ही वह स्थान है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। यहां भगवान ने एक अद्भुत लीला दिखाई थी, जितनी गोपियां उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हो गए सभी गोपियों को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृत्य व प्रेमानंद शुरू हुआ। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को हराकर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी को द्वारका में लाकर उनका

विधिपूर्वक पाणिग्रहण किया। आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत कर विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया कथा के साथ-साथ भजन संगीत भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर पंडित महंथ चंद्रमा दास महराज, शशिभूषण शुक्ल, पंडित उमेश शुक्ल, पंडित श्रीभूषण शुक्ल, पंडित भालचंद्र शुक्ल, पंडित अखिलेश नारायण शुक्ल, सर्वेश शुक्ल, देवेश शुक्ल, लोकेश शुक्ल, धर्मेश शुक्ल, ज्ञानेश शुक्ल, नितिश शुक्ल, यश शुक्ल, हर्ष शुक्ल, आदर्श, गणेश, गोलू उद्धव शुक्ल, शिवांश शुक्ल, प्रवीण तिवारी, छोटू तिवारी, हरिओम पांडेय, धर्मराज तिवारी, रामबिहारी मिश्रा, पंडित शुभम तिवारी, सतीश तिवारी, अशोक मिश्रा, दीपनारायण पांडेय, हर्ष, उद्धव, दीपेश सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

मांडा में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार, वीडियो वायरल पुलिस की निष्क्रियता पर उठे सवाल, युवा हो रहे नशे के शिकार

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के मांडा अन्तर्गत अवैध मादक पदार्थों और कच्ची शराब का कारोबार तेजी से फैल रहा है। हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने के बाद यह मामला सुर्खियों में आया है, जिसमें गांव-गांव में गांजा, स्मैक, भांग और महुआ शराब की बिक्री का आरोप लगाया गया है।

नहवाई, धरांव, भंजनपुर, महेवा कला, बादपुर, धनावल, राजापुर, कानेवारा, डिघिया, मसौली, टिकरी और मांडा रोड जैसे कई गांवों में नशे का यह कारोबार संगठित रूप ले चुका है। आरोप है कि दुकानों की आड़ में, तालाब किनारे और सुनसान जगहों पर अवैध मादक पदार्थ बेचे जा रहे हैं। स्कूलों, अस्पतालों और बाजारों के आसपास भी इन गतिविधियों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

एक समाजसेवी द्वारा व्हाट्सएप और फेसबुक पर डाली गई सोशल मीडिया पोस्ट ने इस मामले को और गंभीर बना दिया है। क्षेत्र के कई गांवों में मादक पदार्थों का कारोबार खुलेआम चल रहा है। इसमें यह भी दावा किया गया है कि बोलेरो और ऑल्टो जैसी गाड़ियों से भारी मात्रा में नशे का सामान पहुंचाया जाता है। पोस्ट में यह भी बताया गया है कि नशे की लत के कारण इलाके में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही यह सवाल भी उठाया गया है कि इन अवैध कारोबारियों को कौन संरक्षण दे रहा है और इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, सेंट थॉमस स्कूल के आसपास, भारतगंज कस्बा और मांडा खास सहित कई स्थानों पर स्मैक और गांजे की बिक्री बेरोकटोक जारी है। महुवारी खुर्द में हनुमान मंदिर के पास तालाब किनारे कच्ची शराब छिपाकर बेचे जाने के आरोप भी सामने आए हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चिन्हित स्थानों पर तत्काल छापेमारी कर इस अवैध नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र के युवाओं को नशे के चंगुल से बचाया जा सकेगा।

इस संबंध में, मांडा थाना प्रभारी अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जहां-जहां शिकायतें मिल रही हैं, वहां जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वगणना की धीमी रफ्तार पर डीएम सख्त, अभियान तेज करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जनगणना-2027 के तहत चल रहे स्वगणना अभियान की प्रगति धीमी मिलने पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नाराजगी जताई है। बुधवार को संगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अधिक से अधिक लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के सभी शिक्षक पहले स्वयं स्वगणना करें और फिर आम लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भागीदारी से अभियान को गति मिलेगी। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए गए कि ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों, ब्लॉक प्रमुखों और अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से गांव-गांव में लोगों को स्वगणना के लिए प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की जरूरत है।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को स्वगणना कार्य को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता पर अभियान चलाने के निर्देश दिए। ब्लॉक, तहसील, नगर पंचायत और नगर निगम स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान संचालित कर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी कर्मियों और रोजगार सेवकों को भी जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि वे स्वयं स्वगणना करने के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को इसके प्रति जागरूक करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों की स्वगणना करे।

ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता पर डीएम सख्त, निर्माण व मरम्मत कार्य समय पर पूरे करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और अन्य योजनाओं के तहत चल रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों से विभिन्न विकासखंडों में निमार्णाधीन और पूर्ण हो चुकी सड़कों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को निर्देशित किया कि सड़कों के निर्माण, अनुरक्षण और मरम्मत कार्यों में मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

डीएम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। अच्छी सड़कें बनने से गांवों में आवागमन सुगम होगा और लोगों को सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जहां निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहे हैं, वहां अतिरिक्त संसाधन लगाकर काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण और अनुरक्षण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यों की गुणवत्ता से समझौता न हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी परियोजनाएं पूरी की जाएं।

बैठक में अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी शशिकांत, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण एसपी मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

म्योहाल, लोक सेवा आयोग, महर्षि भरद्वाज चौराहा सहित 12 स्थानों से हटेंगे टेबल टॉप स्पीड ब्रेकर, जाम से मिलेगी राहत

प्रयागराज। म्योहाल, लोक सेवा आयोग और महर्षि भरद्वाज चौराहा सहित शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर बनाए गए टेबल टॉप (स्पीड ब्रेकर) को अब हटाने की योजना बनाई जा रही है। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साढ़े सात मीटर की लंबाई वाले टेबल टॉप को हटाया जाएगा। चौराहों और सड़कों पर बने टेबल टॉप को दो फेज में हटाने की योजना बनाई जा रही है। कुंभ 2019 के पहले इन टेबल टॉप को बनाने के लिए दो से ढाई करोड़ रुपये की धनराशि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत खर्च की गई थी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से स्मार्ट सिटी मिशन के तहत लगभग सात वर्ष पहले प्रमुख चौराहों और सड़कों के टेबल टॉप बनाया गया था। शुरूआत में जब टेबल टॉप बनाया जा रहा था तो अधिकारियों का दावा था कि इससे मार्ग दुर्घटना में कमी आएगी और जाम की समस्या से लोगों को छुटकारा मिलेगा। हालांकि अब अधिकारियों का मानना है कि शहर के प्रमुख चौराहों पर टेबल टॉप बनने से गाड़ियां तेजी से क्रास नहीं हो पाती है जिससे जाम लगता है। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आने वाले कुछ महीनों पर शहर के प्रमुख चौराहों पर बनाए गए टेबल टॉप को हटा दिया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर, अभिभावकों को दिए विशेष सुझाव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नगर क्षेत्र स्थित सीपीआई स्कूल नगर क्षेत्र के रिसोर्स सेंटर कंपोजिट आदर्श में मंगलवार को दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए विशेष परामर्श एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 11 बजे शुरू हुए कार्यक्रम में नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में दिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक शामिल हुए। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा, स्वावलंबन, व्यवहारिक विकास और उनके अधिकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग एवं शिक्षाविद् डॉ. मालती तिवारी ने कहा कि दिव्यांग बच्चे समाज की विशेष क्षमता वाले बच्चे हैं। उन्हें यदि सही दिशा, सकारात्मक वातावरण और निरंतर प्रोत्साहन मिले तो वे आत्मनिर्भर बनकर समाज में अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का मनोबल बढ़ाने और नियमित रूप से शैक्षिक गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित कराने की अपील की।कार्यक्रम का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार के निर्देशन में किया गया। संचालन जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पांडे ने किया। उन्होंने कहा कि समेकित शिक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक दिव्यांग बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक संसाधन पहुंचाना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। विभाग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रहा है।खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र प्रतिभा सिंह ने अभिभावकों को बच्चों की नियमित उपस्थिति, स्वच्छता और व्यवहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने सभी दिव्यांग बच्चों को टिफिन और पानी की बोतल वितरित की। बच्चों एवं अभिभावकों के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई।इस अवसर पर कनिष्ठ लिपिक दिवाकर पांडे, सोल आर्क कोऑर्डिनेटर मुकेश सैनी, नगर क्षेत्र के स्पेशल एजुकेटर, श्री बगची सहित बीआरसी स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम को अभिभावकों ने उपयोगी और प्रेरणादायी बताते हुए विभागीय प्रयासों की सराहना की।

हिन्दी विभाग का विदाई समारोह सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा परम्परागत तरीके से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। परास्नातक (एम. ए.) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी। हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि यह एक औपचारिक कार्यक्रम है, क्योंकि शिक्षक और विद्यार्थी का सम्बन्ध सदैव वर्तमान रहता है। कला संकायाध्यक्ष ने एक गीत के माध्यम से विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया। डॉ. ममता मिश्रा, डॉ. मंजू शुक्ला और डॉ. आलोक विश्वकर्मा ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ऋचा पाण्डे, आस्था मिश्रा, पूजा, खुशी, काजल कुशवाहा, महिमा तिवारी, आँचल शुक्ला, पूनम आदि द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। परिसर प्रभारी डॉ. आलोक मिश्रा, मुख्य कुलानुशासक डॉ. संतेश्वर मिश्रा, अभय आनन्द सिंहा, विभांशु शुक्ला, अमन यादव, नेहा यादव, संध्या, रोशनी, निष्ठा आदि की प्रमुख उपस्थिति रही। संचालन प्राची पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन उजाला द्वारा किया गया।

46 साल पुराने हत्या केस में पूर्व विधायक विजय मिश्रा समेत 4 को उम्रकैद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। एमपी-एमएलए कोर्ट ने 46 साल पुराने बहुचर्चित हत्या मामले में पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा समेत चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने सभी दोषियों पर जुमार्ना भी लगाया है। फैसला एमपी-एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने सुनाया।

मामला 11 फरवरी 1980 का है। कर्नलगंज थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, अधिवक्ता श्याम नारायण पांडे के भाई प्रकाश नारायण पांडे अपने एक मुकदमे में जमानत के सिलसिले में कोर्ट आए थे। आरोप है कि उसी दौरान छोटे लाल के होटल में बैठे प्रकाश नारायण पर विजय मिश्रा, जीत नारायण, संतराम मिश्रा और बलराम मिश्रा ने हथियारों से हमला कर दिया। गोली लगने से प्रकाश नारायण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना में पांच अन्य लोग भी घायल हुए थे।

बताया गया कि जिस दिन प्रकाश नारायण की हत्या हुई, उसी दिन उनका जन्मदिन भी था। मृतक के भाई श्याम नारायण पांडे ने आरोप लगाया था कि

पुरानी रंजिश के चलते सभी आरोपियों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया।

मंगलवार को कोर्ट ने चारों आरोपियों को दोषी ठहराया था, जिसके बाद उन्हें नैनी सेंट्रल जेल भेज दिया गया। बुधवार को सजा पर सुनवाई के बाद अदालत ने धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और एक-एक लाख रुपये जुमार्ना लगाया। वहीं, धारा 307 के तहत 10 साल की सजा और 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी सुनाया गया। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेंगी। पूर्व विधायक विजय मिश्रा फिलहाल आगरा जेल में बंद हैं। कोर्ट के आदेश पर उन्हें प्रयागराज में पेश किया गया, जबकि अन्य आरोपी जमानत पर अदालत पहुंचे थे।

सरकारी अधिवक्ता मनोज पांडे के अनुसार, मामले की सुनवाई में कई वर्षों तक देरी हुई। हाईकोर्ट में मुकदमे पर स्टे होने और केस डायरी गायब होने जैसी वजहों से फैसला लंबित रहा। बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर 2024 में यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित किया गया।

अदालत में अभियोजन पक्ष ने आठ प्रमुख साक्ष्य पेश किए। साथ ही विजय मिश्रा पर दर्ज पुराने आपराधिक मामलों का भी उल्लेख किया गया। विजय मिश्रा के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर, अपहरण और शस्त्र अधिनियम समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज रहे हैं। हालांकि, कुछ मामलों में उन्हें राहत भी मिल चुकी है, जबकि कई मुकदमे अब भी विभिन्न अदालतों में लंबित हैं।

भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर-2026 के अंतर्गत भाषा अभिव्यक्ति कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

सोरांव। कंपोजिट विद्यालय शिवगढ़ प्रथम में भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर 2026 के अंतर्गत बच्चों हेतु विशेष भाषा गतिविधि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान, अभिव्यक्ति कौशल एवं सांस्कृतिक चेतना का विकास करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत अगर मेरी भाषा बोल पाती गतिविधि का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 1से 8 के बच्चों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं बोलियों को पात्र बनाकर उनकी विशेषताओं, भावनाओं एवं सांस्कृतिक महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान एक छात्र द्वारा मेरी भाषा, मेरी जान विशेष आकर्षण का केंद्र रही तथा बच्चों में अपनी मातृभाषा के प्रति गर्व एवं सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। यह भाषा समारोह लगभग दो घंटे तक उत्साहपूर्ण वातावरण में संचालित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनीता सिंह सहित समस्त शिक्षकों का सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता रही। उपस्थित शिक्षकगण में इंदु बाला मौर्य, अनामिका सक्सेना, अर्चना आनंद, प्रज्ञा राय, यासमीन फातिमा, संगीता त्रिपाठी एवं किरण सम्मिलित रहे। सभी शिक्षकों ने बच्चों को भाषा गतिविधियों हेतु प्रेरित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं गतिविधियों की शुरूआत ए आर पी रीता शर्मा द्वारा की गई। उन्होंने बच्चों को भारतीय भाषाओं के महत्व, मातृभाषा के सम्मान तथा मंचीय अभिव्यक्ति के संबंध में प्रेरित करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुनीता सिंह के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ।

प्रयागराज में तेज आंधी के कारण जौनपुर रेल रूट पर गिरा विशालकाय पेड़, कई ट्रेनों के पहिये थमे

प्रयागराज। संगम नगरी और आसपास के इलाकों में आई तेज आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। आंधी के कारण प्रयागराज-जौनपुर रेल मार्ग पर थारवई रेलवे स्टेशन के पास एक विशालकाय पेड़ रेलवे ट्रैक पर गिर गया, जिससे इस रूट पर ट्रेनों का संचालन पूरी तरह ठप हो गया है। घटना शाम लगभग सात बजे की है। ट्रैक पर पेड़ गिरने से अप और डाउन, दोनों लाइनों पर यातायात बाधित है। घटना थरवई और सरायचंडी रेलवे स्टेशन के बीच गेम नंबर आठ-सी पर हुई है। इससे कामायनी एक्सप्रेस, बुंदेलखंड एक्सप्रेस, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत गाजीपुर डेमू और पैसेंजर ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर खड़ा किया गया है। मौजूदा स्थिति यह है कि पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस को प्रयागराज जंक्शन पर रोका गया है, जबकि गाजीपुर डेमू और पैसेंजर ट्रेनें प्रयागराज संगम स्टेशन से रवाना नहीं हो सकी हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस जंघई स्टेशन पर खड़ी है। रेलवे प्रशासन को सूचना मिलते ही अधिकारी और तकनीकी कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंच गई है। पेड़ को काटकर ट्रैक से हटाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

सेवा, समर्पण और सांस्कृतिक रंगों के बीच संपन्न हुआ नर्सेज डे समारोह

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नाजरेथ हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज डे 2026 के अवसर पर आयोजित सप्ताहभर के कार्यक्रमों का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। समारोह में नर्सिंग स्टाफ की सेवा भावना, समर्पण और रचनात्मक प्रतिभा को सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, सांस्कृतिक सौहार्द और टीम भावना का विशेष माहौल देखने को मिला।

तीन मई से शुरू हुए कार्यक्रमों की श्रृंखला के समापन समारोह की शुरूआत प्रार्थना सभा से हुई। फादर इसिडोर डीह्लसूजा ने नर्सिंग सेवा को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताते हुए कहा कि मरीजों की देखभाल में नर्सों की भूमिका अतुलनीय है। इसके बाद केक कटिंग समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अस्पताल प्रशासन, वरिष्ठ अधिकारियों और नर्सिंग विभाग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। ग्रुप डांस, स्किट, फैंसी ड्रेस, मेहंदी, पोस्टर मेकिंग, रंगोली, रील्स मेकिंग और नर्सिंग क्विज प्रतियोगिताओं में नर्सिंग स्टाफ एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने सामाजिक जागरूकता, स्वास्थ्य सेवा, देशभक्ति और टीमवर्क जैसे विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं।

स्किट प्रतियोगिता में अस्पताल जीवन और मरीजों की देखभाल से जुड़े विषयों को मंच पर जीवंत तरीके से प्रस्तुत किया गया। वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रेरणादायक चरित्रों का अभिनय कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में प्रदर्शित विशेष रील्स में अस्पताल के कार्य वातावरण, सेवा भावना और टीमवर्क की झलक दिखाई गई, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा।

फादर विपिन डीह्लसूजा ने नर्सिंग स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। उनका त्याग, धैर्य और समर्पण समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सभी नर्सिंग कर्मियों को अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज डे की शुभकामनाएं दीं।

समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अस्पताल प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नर्सिंग विभाग, क्वालिटी टीम, साउंड एवं लाइट टीम, बैकस्टेज टीम और सहयोगी कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी अतिथियों, निर्णायकों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मेजा में भयंकर आंधी तूफान ने मचाई तबाही, बिजली के टावर हुए धराशाई टेंट पंडाल भी उड़े, सड़के घंटों रही बाधित

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा क्षेत्र में बुधवार को आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। इस दौरान कई पेड़ उखड़ गए, बिजली के टावर गिर गए और बारातों में लगे टेंट-पंडाल भी क्षतिग्रस्त हो गए। इन घटनाओं में एक महिला का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर कठौली गांव के समीप एक विशाल बिजली का टावर सड़क पर गिर गया। जिसके कारण घंटों तक यातायात बाधित रहा और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस और विभागीय टीमों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को बहाल किया।

राष्ट्रीय राजमार्ग 76 पर कठौली गांव के समीप गिरा भारी भरकम बिजली का टावर

बिसहिजन से रामनगर जाने वाली सड़क पर पहाड़पुर बकचुंदा के पास एक बड़ा पेड़ गिरने से भी आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। जिसके चलते राहगीरों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। मदरा टेला गंगा घाट पर स्थित पांटून पुल भी तेज हवा और लहरों के कारण क्षतिग्रस्त हो गया जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। मेजारोड बाजार में भी तूफान का व्यापक असर देखा गया। यहां दुकानों के टीन शेड उड़ गए, कई दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा और सामान बिखर गया। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में जहां भी बारातें आई थीं, वहां टेंट और पंडाल उखड़ने से आयोजनों में अफरा-तफरी मच गई। नेब्बूलाल पटेल के नातिन सूर्य प्रकाश की बेटी की बारात के लिए की गई तैयारियां भी तूफान के कारण बाधित हो गईं। लोहारी गांव में सतीश विश्वकर्मा के घर की दीवार गिर गई, हालांकि इस घटना में किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। तूफान के कारण ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति भी ठप हो गई, जिससे लोगों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ेगी। प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया और संबंधित विभागों को जल्द से जल्द सामान्य व्यवस्था बहाल करने के निर्देश दिए हैं।

मेजा के युवाओं को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही हमारा संकल्प : राजू भैया

मेजा के खदहरन का पूरा में अभियान चलाकर रोजगार महोत्सव पर हुई चर्चा,युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लिया गया संकल्प

मेजा। तहसील क्षेत्र के खदरहन का पूरा गांव में युवाओं के साथ रोजगार महोत्सव कार्यक्रम को लेकर सार्थक चर्चा हुई जिसमें क्षेत्र के अधिक से अधिक संख्या में युवाओं को फॉर्म आवेदन कर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने और आत्मनिर्भर मेजा के निर्माण में अपनी अहम भागीदारी निभाने की अपील की गई। उल्लेखनीय है कि सेवा और समर्पण की भावना के संकल्प के साथ क्षेत्र के लोगों की रहनुमाई कर रहे कुंवरपट्टी निवासी जनसेवक एवं भाजपा नेता इन्द्रदेव शुक्ला ह्लराजू भैयाह्व के नेतृत्व में आगामी 23 मई को डीजीएस कार्यालय मेजारोड में आयोजित होने वाले युवाओं का रोजगार महोत्सव में क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ने का यह अभियान लगातार नई दिशा दे रहा है

जिसमें अनेक कंपनियां युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए बड़े पैमाने पर शिरकत करेंगी। ऐसे में जनसेवक इंद्रदेव शुक्ला राजू भैया ने क्षेत्र के लोगों का आह्वान करते हुए इस अभियान को सफलता और मेजा के हर युवा को आत्मविश्वास, सम्मान और रोजगार से जोड़ने का संकल्प लेने की अपील किया है।

संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में राजेशचंद्र तिवारी अध्यक्ष तथा शिवरंजन यादव महामंत्री हुए निर्वाचित

चुनाव समिति ने विजयी प्रत्याशियों को सौंपा प्रमाण पत्र, विजयी प्रत्याशियों का साथियों ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव में राजेश तिवारी अध्यक्ष तथा शिवरंजन यादव महामंत्री निर्वाचित हुए हैं। मंगलवार को देर रात तक चली मतगणना में समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने चुनाव परिणामो की घोषणा की। वही चुनाव समिति ने निर्वाचित पदाधिकारियों को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। चुनाव परिणामों की घोषणा होते ही बड़ी संख्या में मौजूद साथियों ने विजेता पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर स्वागत भी किया। अध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार मैदान में थे। सर्वाधिक मत राजेशचंद्र तिवारी को दो सौ उन्सठ मत मिले। उन्होने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी संघ के पूर्व अध्यक्ष संदीप सिंह को तीस मतों से करारी शिकस्त दी। पूर्व अध्यक्ष विकास मिश्र को एक सौ अड़तीस मतों पर संतोष करना पड़ा। प्रवीण यादव को छब्बीस तथा विजय कुमार तिवारी को एक मत मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सिविल के पद पर अबरार अहमद खान ने दो सौ दो मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी पूर्व उपाध्यक्ष विभाकर नाथ शुक्ल को आठ मतों से पराजित किया। नीलेश सिंह निर्भय को एक सौ चैवन तथा निवर्तमान महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय को मात्र चैवालिस मत मिले। जयकरन सिंह को इक्तीस तथा महेन्द्र सरोज को बीस मत प्राप्त हुए। उपाध्यक्ष पद पर नामवर सिंह ने एक सौ अटठावन मत प्राप्त किये। उन्होने निकटतम प्रतिद्वंदी राजेश द्विवेदी को पांच मतों से पराजित किया। रामकुमार पाण्डेय को एक सौ पचास, सुमित त्रिपाठी को छत्तीस, मुकेश तिवारी सत्तान्नवे तथा अजय शर्मा को साठ मत मिले। महामंत्री पद पर

शिवरंजन यादव ने दो सौ तेईस मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी लाल स्नेहांश प्रताप सिंह को नौ मतों से पराजित किया। स्नेहांश प्रताप सिंह को दो सौ चैदह, अरविंद पाण्डेय तपन को एक सौ एक, संजीव कुमार तिवारी भीम को छप्पन व संतोष पासी को बीस मत मिले। कोषाध्यक्ष पद पर अतुल सिंह ने रिकार्ड तीस सौ उन्हत्तर मत प्राप्त कर निकटतम प्रतिद्वंदी निवर्तमान कोषाध्यक्ष हरिनारायण पाण्डेय दीपक को पराजित किया। हरि नारायण को दो सौ उन्यासी मत मिले। आय व्यय निरीक्षक पद पर संतोष तिवारी ने दो सौ सत्तावन मत प्राप्त कर विजय हासिल की। इस पर पर रंजीत साहू को निकटतम प्रतिद्वंदी के रूप में दो सौ बयालिस तथा अनंत प्रसाद त्रिपाठी को एक सौ बावन मत मिले। सह मंत्री पद पर सचिन पाण्डेय ने दो सौ पचासी मत प्राप्त कर संदीप वर्मा को पराजित किया। संदीप वर्मा को दो सौ तीस तथा आशुतोष पाण्डेय को एक सौ पैतीस मत मिले। प्रचार मंत्री पद पर अमन द्विवेदी ने तीस सौ चार मत हासिल कर दो सौ तेरह मत पाने वाले रामललन वर्मा को पराजित किया। राहुल यादव को एक सौ तीस मत मिले। सदस्य कार्यकारिणी के पद पर छः उम्मीदवारों में से पांच विजयी घोषित हुए। इस पद पर कमलनाथ सरोज, चंद्रप्रकाश चंचल, निर्भय शुक्ल, प्रशांत पाण्डेय व राजकुमार मिश्र को विजयी घोषित किया गया। वकील अहमद को सदस्य कार्यकारिणी में पराजय झेलनी पड़ी। उपाध्यक्ष के दोनों पदों पर निकटतम प्रत्याशियों द्वारा पुर्नमतगणना की मांग की गयी। इसके बाद चुनाव समिति ने प्रत्याशियों तथा अभिकताओं की मौजूदगी में दोबारा इन प्रत्याशियों के मतों की गणना की। रात करीब पौने ग्यारह बजे चुनाव समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने विजयी प्रत्याशियों को कार्यालय के सामने प्रमाण पत्र सौंपे। निवर्तमान अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने नई कार्यकारिणी का स्वागत किया। वही नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी ने साथी अधिवक्ताओं का समर्थन के लिए आभार जताते हुए अधिवक्ता हितों में समर्पित रहने का संकल्प जताया। प्रमाण पत्र वितरण के समय एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्र, चुनाव समिति के महामंत्री वीरेन्द्र सिंह अगई, राम मोहन सिंह, देवी प्रसाद मिश्र, शिवाकांत उपाध्याय, राम लगन यादव, संतोष पाण्डेय, शैलेन्द्र चतुवेर्दी मौजूद रहे। वहीं बुधवार को तहसील व दीवानी परिसर में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने साथियों का मुंह मीठा कराकर जीत का जश्न साझा किया। इस बार सभी पदों पर चुनाव होने के कारण मतगणना देर रात सम्पन्न हो सकी। हालांकि परिणाम आते ही विजयी पदाधिकारियों के समर्थकों ने गाजे बाजे के साथ तहसील परिसर में जश्न का इजहार किया। मतगणना देर रात तक जारी रहने के कारण लालगंज कोतवाल आलोक कुमार तथा सांगीपुर एसओ गौरव त्रिवेदी भारी फोर्स के साथ मतगणना स्थल पर एहतियातन तैनात दिखे।

न्यूज झरोखा

तीन दिन बाद शुरू होगा मलमास मेला, अधिकारियों ने नहीं की तैयारी बैठक

बेलखरनाथ धाम। एक माह तक चलने वाले मलमास अधिकमास का मेला शुरू होने में शेष तीन दिन रह गए हैं लेकिन अभी तक अधिकारियों द्वारा मेला सेवा समिति व मंदिर के पुजारी के साथ तैयारियों को लेकर कोई बैठक नहीं की गई ।इस बात को लेकर श्रधालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है ।बता दें कि पौराणिक स्थल बाबा बेलखरनाथ धाम में प्रत्येक शनिवार को मेला लगता है और शिव भक्त बाबा का दर्शन पूजन व जलाभिषेक करते हैं ।इसके अलावा सावन व मलमास अधिक मास में यहां पर एक माह तक शिव भक्तों व कावड़ियों की भारी भीड़ होती है। तथा मेले में दूर-दूर के दुकानदार आते हैं। इस बार 17 मई से लेकर 15 जून तक अधिक मास मेले का आयोजन होगा। जिसमें हजारों शिव भक्त दर्शन पूजन व जलाभिषेक आएंगे ।मेला लगने में शेष तीन दिन रह गया है लेकिन अभी तक प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मेले की तैयारी को लेकर कोई बैठक नहीं की गई। इस संबंध में मंदिर के मुख्य पुजारी विश्वनाथ गिरी ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर मैं उच्च अधिकारियों के यहां समस्याओं से अवगत कराते हुए प्रार्थना पत्र दिया है लेकिन अभी तक अधिकारियों द्वारा कोई बैठक नहीं की गई। जबकि यहां पर पानी व लाइट को लेकर गंभीर समस्या है ।इस बात लेकर शिव भक्तों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सड़क दुर्घटना में घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के सधईपुर देहात निवासी पैंसठ साल के छोटेलाल पुष्पजीवी कि इलाज के दौरान प्रयागराज में सांसे थम गई। वह सोमवार सुबह करीब 6 बजे मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इस दौरान नहर पुल के समीप टेंपो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बताया गया है कि वह सोमवार की सुबह टहलने के लिए पट्टी रेडीगारापुर मार्ग पर गए हुए थे। वहां बड़ी नहर के निकट जब पहुंचे तो इसी दौरान अज्ञात टेंपो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। बाद में टेंपो पर सवार लोग उन्हें उसी टैंपो पर लेकर यहां से निकल गए। बाद में टेम्पो पर सवार लोगों ने विश्वनाथगंज के निकट एंबुलेंस बुलाकर उसी से इलाज के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मौके से वाहन चालक सहित अन्य लोग फरार हो गए। अस्पताल में जब उन्होंने अपना नाम पता बताया तो परिजनों को अस्पताल से सूचना दी गई। सूचना पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे। उन्हें गंभीर हालत में प्रयागराज स्वरूप रानी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां पर उनका इलाज चल रहा था। बुधवार सुबह उनकी सांसें थम गईं। इस बात की जानकारी जब घर पर आई तो यहां पर लोगों का रो रोकर बुरा हाल था। कोतवाल आनंद पाल भदौरिया ने भी मृतक के पुत्र से मोबाइल पर बात की।उन्होंने इस मामले में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद घर पर आने की उम्मीद है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

युवक के साथ बस में जहरखुरानी, नकदी समेत सामान उड़ाये

प्रतापगढ़। मुम्बई से घर वापस आ रहे युवक के साथ रोडवेज बस में जहरखुरानी को लेकर हडकंप मच गया। सांगीपुर थाना के गोड़वा निवासी उमाशंकर 27 पुत्र रामलाल मुम्बई से बुधवार को घर आ रहा था। प्रयागराज में टेज्न से उतरने के बाद वह रोडवेस बस से प्रतापगढ़ आ रहा था। रास्ते में अज्ञात द्वारा उसके साथ जहरखुरानी कर नकदी व सामान उड़ा लिया गया। सूचना मिलने पर परिजन उसे लालगंज इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले आये।

दो लोगों ने खाया जहरीला पदार्थ

कुंडा। कोतवाली के मवई कला गांव निवासी राम नरेश गौतम की 35 वर्षीय पत्नी कविता गौतम ने मंगलवार आधी रात पारिवारिक विवाद के चलते घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। महेशगंज थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव निवासी वेद प्रकाश मिश्रा के 30 वर्षीय बेटे शुभम मिश्रा ने मंगलवार को दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। थोड़ी देर में उनकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन सीएचसी लाए। प्राथमिक उपचार के बाद भी शुभम मिश्रा की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने स्वरुप रानी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया।

गाजे बाजे के साथ शिव बारात में महादेव का गूंजा जयघोष, हुआ मंगलगान

प्रतापगढ़। नगर पंचायत के सांगीपुर वार्ड में मां चतुर्भुजी देवी मंदिर के समीप नवनिर्मित भगवान भोलेनाथ धाम में भगवान शंकर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को निकली शिव बारात में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए दिखे। शिव बारात में शिक्षक विधायक उमेश द्विवेदी भी शामिल हुए। चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी एवं प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी के संयोजन में निकली शिव बारात में श्रद्धालुओं ने अबीर गुलाल उड़ाते हर हर महादेव का शंखनाद भी किया। शिव भक्त बारात में नाचते गाते देवाधिदेव महादेव का जयघोष लगाने में आनंदित दिखे। वहीं भगवान शिव दरबार की झांकी पर राहगीरों व भक्तों को रास्ते भर पुष्पवर्षा भी करते देखा गया। शिव बारात चतुर्भुजी देवी धाम से संगम चैराहा होते हुए प्रतापगढ़ रोड पर शिव मंदिर व श्रीहनुमत निकेतन धाम से रायबरेली रोड पर श्रीहरिहरमंदिरम पहुंची। यहां पूजन अर्चन के बाद इनहन भवानी धाम के विश्वनाथ मंदिर से होते हुए बारात बाबा घुइसरनाथ धाम पहुंची। दूसरे प्रहर शिव विवाह में भी महिलाओं ने गौरा पार्वती के मंगलगान से माहौल को भक्तिमय बना दिया। इस मौके पर सरोज कुमार द्विवेदी, पप्पू तिवारी, ईओ इन्द्र प्रताप, संजय द्विवेदी, शैलेन्द्र मिश्र, सभासद धर्मपाल, हरिशंकर, प्रशांत सिंह, छोटेलाल सरोज, राजू पाण्डेय, जगदीश नारायण तिवारी बबलू, सोनू मिश्रा, विनय पाण्डेय आदि रहे।

प्रधानमंत्री के बयान से स्वर्णकारों में आक्रोश

प्रतापगढ़। पंडित श्याम बिहारी गली के स्वर्णकार सरार्फा व्यवसायियों एवं कारीगरों ने एक वर्ष तक सोना न खरीदने के प्रधानमंत्री के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। व्यापारियों का कहना है कि प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद सरार्फा बाजार में चिंता और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। यदि लोग लंबे समय तक सोना खरीदना बंद कर देंगे तो इसका सीधा असर हजारों स्वर्णकार परिवारों की रोजी-रोटी पर पड़ेगा ।वही बाजार में इसका रुझान देखने को मिल रहा है। स्वर्णकार कारीगरों और व्यापारियों ने कहा कि सोने के कारोबार से ही उनके परिवार का पालन-पोषण होता है। यदि कामकाज बंद हो गया तो उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। व्यापारियों का कहना है कि पहले से ही बाजार की स्थिति कमजोर चल रही है, ऐसे में इस प्रकार की अपील ने कारोबार को और प्रभावित कर दिया है। श्याम बिहारी गली के स्वर्णकार सरार्फा व्यवसायियों एवं कारीगरों ने इस मुद्दे को लेकर जल्द धरना प्रदर्शन कर जिम्मेदार अधिकारियों को अपनी समस्याओं को अवगत कराते हुए मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे।

दहेज प्रताड़ना के चलते विवाहिता की हत्या, कोहराम

पुलिस ने पति व सास के खिलाफ दहेज हत्या का दर्ज किया केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज। दहेज प्रताड़ना के चलते विवाहिता को उत्पीड़ित कर हत्या की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी व सास के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। वहीं पुलिस ने विवाहिता के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। लालगंज कोतवाली के पूरे नक्का पूरे मठहा निवासी प्रमोद यादव पुत्र स्व0 रामसागर यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसकी बहन पूनम यादव को दहेज प्रताड़ना के चलते ससुरालीजनों द्वारा बारह मई की रात मारापीटा गया। तेरह मई को ट्रामा सेण्टर में पूनम की सुबह मौत हो गयी। घटना को लेकर मृतका के भाई प्रमोद ने तहरीर में कहा है कि उसकी बहन पूनम की शादी करीब पांच वर्ष पूर्व लालगंज कोतवाली के ही पूरे हरिकिशुन निवासी शिव बहादुर यादव के पुत्र संतोष यादव के साथ हुई थी। तहरीर में शादी के बाद से मृतका के पति संतोष व सास मालती देवी पर दहेज के लिए विवाहिता के साथ उत्पीड़न की बात कही गयी। तहरीर में

कहा गया है कि बारह मई की रात लगभग साढ़े नौ बजे मृतका ने अपनी मां को फोन पर ससुरालीजनों द्वारा मारपीट की शिकायत बतायी। अगले दिन तेरह मई को मृतका का भाई बहन के घर के लिए निकला था तब पति संतोष पूनम को लेकर लालगंज ट्रामा सेण्टर आ गया। ट्रामा सेण्टर में चिकित्सकों ने पूनम को मृत घोषित कर दिया। इधर पूनम की मौत की जानकारी उसके मायके पहुंची तब कोहराम मच गया। रोते बिलखते मायके पक्ष के लोग ट्रामा सेंटर पहुंचे। वहीं घटना को लेकर मृतका के भाई प्रमोद द्वारा तहरीर में बहन की ससुरालीजनों द्वारा मारपीट कर हत्या की बात कही गयी है। सूचना मिलने पर लालगंज कोतवाल आलोक कुमार ट्रामा सेंटर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। वहीं पुलिस ने घटना को लेकर आरोपी पति संतोष व सास के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चरैया मोड़ पर भीषण सड़क हादसा, दो बाइक चालक गंभीर

घायलों को लेने जा रही एंबुलेंस भी पेड़ से टकराई

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के चरैया मोड़ के पास बुधवार की शाम हुए भीषण सड़क हादसे में दो बाइक चालकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पट्टी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर दोनों को जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार महदहा गांव निवासी मुकेश पुत्र रामभरोस किसी कार्य से पृथ्वीगंज की ओर गया हुआ था। वापस लौटते समय शाम करीब 4 बजे वह चरैया मोड़ के पास पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे विरौती गांव निवासी प्रवीण शुक्ला पुत्र राधे कृष्ण शुक्ला की बाइक से उसकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल

हो गए और उनकी बाइकें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों की मदद शुरू की। इसी दौरान उधर से गुजर रहे सेना में तैनात सनी उपाध्याय अपने सहयोगियों मनीष मिश्रा, अनिल और सूरज उपाध्याय के साथ मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल मुकेश को अपने वाहन से सीएचसी पट्टी पहुंचाया। वहीं दूसरे घायल प्रवीण शुक्ला को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल लाया गया। सीएचसी पट्टी में डॉक्टरों ने दोनों घायलों का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत लगातार गंभीर बनी रहने के कारण दोनों को एक ही एंबुलेंस से जिला मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ रेफर कर दिया गया। इलाज कर रहे चिकित्सक डॉक्टर नीरज सिंह ने बताया कि दोनों युवकों को गंभीर चोटें आई हैं और बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है ।इधर, हादसे के दौरान एक और बड़ा दुर्घटनाक्रम सामने आया। बताया जाता है कि घायलों को लेने के लिए जा रही एंबुलेंस चरैया मोड़ के पास एक बच्चे को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गई। चालक विनय शुक्ला ने बच्चे को बचाने के लिए अचानक एंबुलेंस मोड़ी, जिससे वाहन सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। दुर्घटना में एंबुलेंस क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि चालक विनय शुक्ला और ईएमटी महेंद्र बाल-बाल बच गए।घटना की सूचना मिलने पर एंबुलेंस विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस को हटाने का कार्य शुरू कराया। सड़क हादसे और उसके बाद एंबुलेंस दुर्घटना की घटना को लेकर क्षेत्र में देर तक चर्चा होती रही।

दो लोगों को जहरीले जंतु ने काटा

कुंडा। महेशगंज थाना क्षेत्र के दीवान का पुरवा गांव निवासी चन्द्रेश कुमार का 13 वर्षीय बेटा मंगलवार रात घर में सो रहा था। तभी आधी रात को बिस्तर पर चढ़े किसी जहरीले जंतु ने काट लिया। हीरागंज बाजार निवासी अरुण कुमार की 35 वर्षीय पत्नी शीलू बुधवार को काम कर रही थी। तभी पहले से बैठे किसी जहरीले जंतु ने उसे काट लिया। दोनों की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने सीएचसी में भर्ती कराया।

चेक बाउन्स होने पर कोर्ट ने आरोपी को सुनाई एक साल के साधारण कारावास की सजा

प्रतापगढ़। चेक बाउन्स होने के मामले में आरोपी को एक साल के साधारण कारावास की सजा तथा चेक राशि पर अदायगी के लिए नौ प्रतिशत ब्याज का जुमार्ना ठोंका है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के संतोष को लालगंज के शिवकेश ने सम्पत्ति क्रय विक्रय को लेकर चेक जारी किया था। संतोष ने चेक भुगतान के लिए बैंक में जमा किया तब मालूम हुआ कि चेक जारीकर्ता के खाते में धनराशि नही है। इसके बाद आरोपी ने लालगंज स्थित अपर मुख्य न्यायिक मजिस्टेªट की अदालत में परिवाद दाखिल किया। मामले का निस्तारण करते हुए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुमार मल्लिकार्जुन ने अभियुक्त शिवकेश को दोषी करार देते हुए एक वर्ष की साधारण कारावास तथा चेक राशि को नौ प्रतिशत ब्याज राशि के साथ वापस करने का आदेश पारित किया। यह जानकारी परिवाद की पैरवी में लगे अधिवक्ता विनोद मिश्र व प्रमोद कुमार ने दी है।

सीबीएसई इण्टरमीडिएट में पं0 नागेशदत्त पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने किया नाम रोशन

लालगंज। सीबीएसई इण्टरमीडिएट की परीक्षा में अझारा स्थित पं0 नागेशदत्त पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने शत प्रतिशत सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। बुधवार को जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुआ शत प्रतिशत सफलता को लेकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। सिद्धार्थ सिंह ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। सफल मेधावियों को संस्थापक रमेशचंद्र मिश्र, प्रबंधक सुनीता मिश्रा, संरक्षक प्रकाशचंद्र मिश्र, एचआर हेड गौरव मिश्र, रीमा मिश्रा व सीमा मिश्रा ने मुंह मीठा कराकर हौंसला आफजाई की। प्रधानाचार्य एसएन त्रिपाठी ने मेधावियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ0 पूनम त्रिपाठी, राहुल सिंह, शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, नारायण मुकेश, हिमांशु शुक्ला, श्याम शंकर मिश्र, राजीव रत्न त्रिपाठी, मनोज शुक्ल, रवीन्द्र शुक्ल, प्रदीप शुक्ल, विवेक पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, रितेश सिंह व दुर्गेश सिंह तथा अनिल आदि मौजूद रहे।

घायल सिपाही की इलाज के दौरान मौत

कुंडा। कोतवाली के नरसिंहगढ़ निवासी नीरज कुमार यादव पुत्र राममिलन यादव सोनभद्र जनपद के दुद्धी कोतवाली में सिपाही के पद पर पीआरवी टीम में तैनात थे। मंगलवार को ड्यूटी पर जाते समय उनकी बाइक को एक टैंकर ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी भेजा गया, जहां मंगलवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सिपाही की मौत की सूचना गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार को शव घर पहुंचने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां, पिता और छोटे भाई समेत पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। नीरज कुमार यादव वर्ष 2017 बैच के सिपाही थे और अपने व्यवहार के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय माने जाते थे। गांव में भी घटना के बाद मातम का माहौल बना हुआ है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में आइन्स्टीन पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने लहराया सफलता का परचम

लालगंज। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम मे धधुआ गाजन स्थित आइन्स्टीन पब्लिक स्कूल के मेधावियों ने सफलता का परचम लहराया है। विद्यालय के इण्टरमीडिएट परीक्षा परिणाम के तहत मेधावी शशांक मिश्र ने कॉमर्स संकाय विषय में 93.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, गणित संकाय में श्रेया मौर्या 92.4 के तहत द्वितीय एवं शिवा शुक्ला 89.6 व अशद अहमद 86.4 के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। बायो संकाय में साक्षी शुक्ला 86.4 प्रथम, अनन्या जायसवाल 85.8 द्वितीय तथा आस्था मिश्रा 85 व पीयूष मिश्रा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। निदेशिका श्रुति शुक्ला ने परीक्षा परिणाम को विद्यालय के पठन पाठन के परिवेश की मजबूती का प्रतीक ठहराया। सरंक्षक विभवभूषण शुक्ल ने सफल मेधावियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस मौके पर गरिमा मिश्रा, आन्द्रे डिसिल्वा, महेन्द्र पाठक आदि मौजूद रहे।

ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस

प्रतापगढ़। पीड़िता को दहेज के लिए मारने पीटने के आरोप में सांगीपुर पुलिस ने ससुरालीजनों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना के भवानीगढ़ निवासिनी संगीता ने दी गई तहरीर में कहा है कि पति नंदकिशोर पाण्डेय, ससुर घनश्याम पाण्डेय व सास शिवकुमारी शादी के बाद दहेज की मांग को लेकर मारपीट किया करते हैं। तहरीर मे कहा गया है कि ससुरालीजनों ने उसके गहने भी जबरिया रख लिए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति नंदकिशोर पाण्डेय उर्फ राजेश समेत तीन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना तथा मारपीट व धमकी का केस दर्ज किया है।

कुंडा में आंधी-बारिश से विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, जनजीवन प्रभावित

कुंडा। तहसील क्षेत्र में मंगलवार शाम अचानक आए भीषण आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से भारी नुकसान हुआ है। बिहार बाजार, डेरवा नगर पंचायत, हीरागंज नगर पंचायत, कुंडा, मानिकपुर, कालाकांकर, संग्रामगढ़, कोटा भवानीगंज, बाबागंज, हथिगवां, महेशगंज, बाघराय सहित कई क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई है ।तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़, बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। ओलावृष्टि से फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। कुंडा-बिहार, कुंडा-बाबागंज, कुंडा-मानिकपुर मार्ग पर पेड़ गिरने से आवागमन प्रभावित रहा, जिसे क्षेत्रीय लोगों की कड़ी मेहनत से हटवाकर आवागमन बहाल किया गया ।बिहार-बाघराय प्रतिनिधि के अनुसार बताया कि आंधी-तूफान से विद्युत ढांचे को क्षति पहुंची है। महेशगंज, बाघराय, डेरवा, हीरागंज, कालाकांकर, संग्रामगढ़, मानिकपुर, बाबागंज के फीडर की आपूर्ति प्रभावित हुई है। ट्रांसफार्मर, खंभे और तार क्षतिग्रस्त हुए हैं। खराब मौसम के बीच विभागीय टीमें खराबी ढूंढने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी हुई हैं। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि टूटे हुए बिजली के तारों या झुके हुए खंभों के पास न जाएं और ऐसी किसी भी सूचना को तत्काल निकटतम बिजली उपकेंद्र पर दें। उपभोक्ताओं की सुरक्षा विभाग की प्राथमिकता है। मौसम सामान्य होते ही चरणबद्ध तरीके से विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।प्रशासन ने भी नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और संयम बनाए रखने को कहा है।

प्रतीक यादव का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति- सांसद

प्रतापगढ़। समाजवादी परिवार के युवा और ऊजार्वान व्यक्तित्व प्रतीक यादव के असामयिक निधन पर प्रतापगढ़ के सपा सांसद डॉ0 शिवपाल सिंह पटेल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक बताते हुए दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद ने अपने शोक संदेश में कहा कि प्रतीक यादव ने अपने सरल स्वभाव, सामाजिक सरोकारों और जनसेवा की अटूट भावना से बहुत कम समय में समाज में एक विशिष्ट पहचान बनाई थी। उनका इस तरह असमय चले जाना न केवल उनके परिजनों के लिए, बल्कि पूरे समाज और उनके शुभचिंतकों के लिए एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। प्रतीक यादव एक कर्मठ और ऊर्जा से भरे युवा थे। उनके निधन के समाचार से मन अत्यंत व्यथित है। प्रतीक के निधन पर सपाइयों ने भी शोक संवेदना व्यक्त किया। सासंद कार्यालय पर शोक सभा में जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडेय, वकार अहमद, मनीष पाल, नगर अध्यक्ष निसार अहमद, सूरज सोनी आदि रहे।

ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों ने सीखे विभिन्न भाषाओं के अभिवादन

पट्टी। आसपुर देवसरा विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर-हैदरपुर में शासन के निदेर्शानुसार आयोजित भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ बुधवार दोपहर 2 बजे हुआ। शिविर के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों को भारत की भाषायी विविधता से परिचित कराने तथा विभिन्न भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विशेष गतिविधि आयोजित की गई ।कार्यक्रम में विज्ञान शिक्षक योगेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में बच्चों को देश के विभिन्न राज्यों की प्रमुख भाषाओं में सामान्य अभिवादन एवं दैनिक उपयोग में आने वाले शब्द सिखाए गए। फ्लैश कार्ड के माध्यम से विद्यार्थियों ने हिन्दी, संस्कृत, पंजाबी, मराठी, बंगाली सहित अन्य भाषाओं के अभिवादन शब्दों का अभ्यास किया ।विद्यालय में आयोजित इस गतिविधि में बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। नई भाषाओं के शब्द सीखकर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित और प्रफुल्लित दिखाई दिए। शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के शिविर बच्चों में भाषायी समझ, सांस्कृतिक विविधता के सम्मान तथा संवाद कौशल के विकास में सहायक सिद्ध होंगे।

कौशाम्बी संदेश

बीते 50 वर्षो के दौरान कभी नहीं आई है इतनी तेज आंधी

रोही सरकारी स्कूल के पास तेज आंधी का कहर,पेड़ व बिजली के खंभे गिरे मुख्य मार्ग बाधित, बिजली आपूर्ति ठप ग्रामीण परेशान

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। बुधवार शाम आई तेज चक्रवाती आंधी और बारिश ने रोही सरकारी स्कूल के पास जमकर तबाही मचाई। स्कूल से लगभग 50 मीटर आगे मुख्य मार्ग पर कई पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। इससे आवागमन बाधित हो गया और पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई।स्थानीय लोगों के मुताबिक शाम करीब 5 बजे अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। आंधी इतनी तेज थी कि रोही सरकारी स्कूल से कुछ दूरी पर सड़क किनारे लगे विशाल पेड़ उखड़कर गिर गए। पेड़ों के साथ 3 बिजली के खंभे भी टूटकर सड़क पर आ गिरे। गनीमत रही कि उस वक्त स्कूल की छुट्टी हो चुकी थी और सड़क पर आवाजाही कम थी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था खंभे गिरने से रोही और आसपास के गांवों की बिजली गुल हो गई है। लोगों का कहना है कि आंधी के कई घंटे बाद भी बिजली बहाल नहीं हुई है। इससे पेयजल की समस्या भी खड़ी हो गई है। ग्रामीणों को रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। पेड़ गिर जाने से रास्ता बंद हो गया जिससे ग्रामीण परेशान हो गए हैं मुख्य मार्ग पर पेड़ और खंभे गिरने से रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। दोपहिया और चारपहिया वाहन नहीं निकल पा रहे हैं। स्कूली बच्चों और काम पर जाने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने खुद ही कुल्हाड़ी-आरी से पेड़ की डालियां काटकर रास्ता खोलने की कोशिश की,लेकिन बिजली के तार होने से खतरा बना हुआ है।प्रशासन को सूचना दी गई है ग्रामीणों ने बिजली विभाग और तहसील प्रशासन को सूचना दे दी है।बिजली विभाग के जेई ने बताया कि टीम मौके के लिए रवाना कर दी गई है। खंभे और तार टूटे हैं। जल्द ही काम शुरू कर बिजली बहाल की जाएगी। लोगों ने प्रशासन से जल्द रास्ता खुलवाने और बिजली बहाल करने की मांग की है। बुजुर्ग लोगों ने बताया कि इतनी तेज आंधी बीते 50 वर्षों के दौरान कभी नहीं आई है इसके अलावा भी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तेज आधी से पेड़ उखड़ गए हैं बिजली के खंबे टूट गए हैं जिससे जन जीवन बाधित हो गया है लोगों ने बताया कि इतनी तेज आंधी उन्होंने कभी नहीं देखी है।

आंधी तूफान में गिरी दीवाल महिला दबी गम्भीर घायल

कोखराज कौशाम्बी कोखराज थाना क्षेत्र के नोडिया करेंटी गांव में बुधवार की शाम को तेज आंधी तूफान के बीच दीवाल की रेलिंग गिर जाने से नत्थी देवी उम्र 50 वर्ष पत्नी नत्थू सरोज दीवाल के मलवे में अचानक दब गयी जिसकी जानकारी ग्रामीणों को हुई मौके पर ग्रामीणों की मदद से महिला को निकाल कर गम्भीर हालत में एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल मूरतगंज पीएचसी में भती कराया गया हैं जहाँ पर इलाज चल रहा हैं।

ग्राम पंचायत सेलरहा पश्चिम में विकास कायी में धांधली

अधिकारियों से शिकायत हैंडपंप मरम्मत के नाम पर लूट गई ग्राम विकास की निधि

कौशाम्बी। सिराथू ब्लाक के सेलरहा पश्चिम गांव में ग्राम विकास योजनाओं में जमकर धांधली हुई है। हैंडपंप मरम्मत व रिबोर के नाम पर ग्राम विकास की आधे से अधिक रकम का बंदरबांट किया गया है। इसके अलावा पंचायत भवन में सौंदयीकरण के नाम पर भी खेल हुआ है। इससे ग्राम पंचायत आज भी विकास से अछूती रह गई है।सेलरहा पश्चिम ग्राम पंचायत में विकास योजनाओं में धांधली की शिकायत अफसरों से हुई है। आरोप है कि हैंडपम्प रिबोर व मरम्मत के नाम पर ग्राम पंचायत की आधे से अधिक निधि निकाला गया है। इसके अलावा सड़क निर्माण व पंचायत भवन के सौंदयीकरण के नाम पर भी खेल हुआ है। आरोप है कि ठंड हो गमी व बारिश के मौसम में भी हैंडपम्प मरम्मत व रिबोर के नाम पर बजट निकाला गया है। सूत्रों की माने तो ग्राम विकास की आधे से अधिक निधि हैंडपम्प मरम्मत व रिबोर के नाम निकाल लिया गया है। सूत्र बताते है कि 4 मई 2022 को पंचायत भवन में वायरिंग के लिए 40435 रुपये निकाला गया है। इसके बाद 9 अक्टूबर 2022 को 351616 रुपये रुपये पंचायत भवन परिसर में इंटरलॉकिंग के नाम पर निकाला गया है। 22 अप्रैल 2022 को पंचायत भवन मरम्मत कार्य व रँगाई पुताई के नाम पर 117746 रुपये निकाला गया है। 25 नम्बर 2022 को 80000 रुपये पंचायत के साफ सफाई के लिए निकाला गया है। इसके बाद 1 अप्रैल 2022 को 175000 रुपये पंचायत भवन में इक्विमेंट के नाम पर निकाला गया है। इसके बाद 23 मई 2025 को पंचायत भवन में मरम्मत व सौंदयीकरण के लिए 99396 रुपये निकाला गया है। 23 मई 2025 को ही 39941 रुपये पंचायत भवन में मरम्मत व सौंदयीकरण कार्य में सामग्री के लिए निकाला गया है। आरोप है कि मनरेगा योजना में भी बड़े पैमाने पर खेल हुआ है। ग्राम विकास की योजनाओं में धांधली से ग्रामीणों को आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। लोगों ने मामले की शिकायत अफसरों से किया है।इस मामले में विनोदराम त्रिपाठी सीडीओ का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं है, जांच कराकर कारवाई की जाएगी।

न्यूज झरोखा

ग्राम कोखराज में भूमि विवाद की शिकायतों का डीएम ने गांव में जाकर मौके से जानी हकीकत निस्तारण का दिया आदेश

कोखराज कौशांबी। जिलाधिकारी कौशाम्बी ने टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के अंतर्गत बुधवार को ग्राम कोखराज ग्राम सभा में कैम्प आयोजित कर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने ग्राम की गाटा संख्या 77, जो खतौनी में बंजर भूमि ग्राम सभा दर्ज है,जिस पर हुए अवैध कब्जे को मौके पर हटवाने के जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तत्काल जांच कर कार्यवाही की जाय जिस पर उप जिलाधिकारी व राजस्व टीम मौके पर पहुँची और विवादित स्थल का खाली करने को कहा संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ जनता की समस्याओं जिलाधिकारी डॉ अमित पाल ने चौपाल में एक महिला के द्वारा पीने के पानी की समस्या से अवगत कराया कि पाइप लाइन से आने वाले पानी की समस्या लगातार बनी हुई हैं जिससे पीने के पानी के लिए परेशानी होती हैं महिला ने बताया कि यदि नजदीक बंद हैंडपंप का रिबोर करा दिया जाए तो काफी हद तक समस्या खत्म हो जाएगी जिस पर जिलाधिकारी ने मामले को तुरंत संज्ञान लेते हुए ग्राम विकास अधिकारी को मौखिक रूप से आदेश दिया कि जल्द ही इस हैंड पम्प का रिबोर कराया जाय वही एक बुजुर्ग महिला ने अपनी पेंशन के लिए फरियाद किया और कहा कि 60 साला पेंशन योजना से जोड़ा जाए जिससे बुजुर्ग महिला को कुछ राहत मिल सके उस पर ग्राम विकास अधिकारी व उप जिलाधिकारी को कहा गया कि महिला द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पेंशन योजना से जोड़ कर उप जिलाधिकारी के माध्यम से अवगत करवाए मौके पर उप जिलाधिकारी सिराथू योगेश कुमार गौड ,नायब नायब तहसीलदार अपर्णा श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक कुलदीप श्रीवास्त ,ग्राम प्रधान रमेश चंद्र मौर्य,आदि कमर्चारियों की मौजूदगी में चौपाल समाधान सम्पन्न हुआ

एसपी ने पुलिस कार्यालय में की जनसुनवाई

कौशांबी पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा दिनांक 13.05.2026 को आमजनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए।

श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मिलती है मुक्ति : ब्रह्मर्षिआनंद धाम सरकार

कौशांबी जनपद के सिराथू विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंभीरा पूरब के मजरा जगधापर गाँव में आयोजित सप्तम दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के सप्तम दिवस में प्रख्यात कथा व्यास आनंद धाम सरकार ने भगवान कृष्ण सुदामा चरित्र और नवगेश्वर संवाद, व परीक्षित मोक्ष प्रसंग का बहुत सुंदर विस्तार रूप से वर्णन किया गया। कथा के आयोजक जितेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं मुख्य यजमान बच्चा लाल पाण्डेय, घनश्याम प्रसाद पाण्डेय, अरविन्द पाण्डेय, नरेन्द्र पाण्डेय,आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

लव मैरिज की शादी में 4 महीने में हो गई प्रेमी की मौत

कौशांबी मोहब्बतपुर पइंसा थाना क्षेत्र के कैमा गांव का रमेश ई रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था 4 महीने पहले 3 जनवरी 2026 को रमेश ने खुशबू नामक लड़की के साथ प्रेम विवाह किया था कोर्ट मैरिज के द्वारा दोनों की शादी हुई थी लेकिन खुशबू के घर वाले इस शादी से खुश नहीं थे प्रेमी युगल एक दूसरे के साथ जीना मरना चाहते थे और एक दूसरे को छोड़ना नहीं चाहते थे मामले को लेकर तमाम पंचायत भी हुई लेकिन प्रेमी युगल साथ जीने मरने की जिद पर अड़े रहें घटना की रात रमेश की पत्नी खुशबू और रमेश की सास आशा रमेश के घर पर ही मौजूद थी आधी रात को संदिग्ध परिस्थितियों में रमेश की मौत हो गई है लव मैरिज का अंत हो गया है सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है लेकिन सवाल उठता है कि लव मैरिज करने वाली बालिका की मां की मौजूदगी के बाद उसी रात में प्रेमी ने क्यों आत्महत्या किया है कहीं घटना के पीछे बड़ी कहानी तो नहीं है जो पुलिस की बड़ी जांच का विषय है।

जिलाधिकारी ने वीएचएसएनडी सेशन का किया निरीक्षण

कौशांबी जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने बुधवार को सामुदायिक भवन,कोखराज में आयोजित वी.एच.एस.एन.डी.सेशन का निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान ए.एन.एम. से आज जांच के लिए आई गर्भवती महिलाओं की संख्या,किए गए टीकाकरण,बच्चों की नियमित टीकाकरण,आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा एच.आर.पी. महिलाओं की संख्या एवं उनकी मॉनिटरिंग के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी गर्भवती महिलाओं की समय से स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पंजिका का अवलोकन करते हुए कहा कि ड्युलिस्ट के अनुसार शत-प्रतिशत बच्चों टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

ई-रिक्शा व दो बैटरी चोरी का शत प्रतिशत माल बरामद, दो शातिर गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण के निर्देशन में थाना पिपरी पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद कर लिया। इस मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार दिनांक10/11.05.2026 की रात ग्राम मनौरी निवासी सुरेन्द्र कुमार उर्फ रिन्कू केसरवानी पुत्र ओम प्रकाश का ई-रिक्शा वढ 73 ळ 4770 बैट्री सहित घर के बाहर से चोरी हो गया था।पीड़ित की तहरीर पर थाना पिपरी में मु0अ0सं0 106/26 धारा 303(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी चायल के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक मनीष पाल ने अपनी पुलिस टीम के साथ बुधवार को सुबह तेवारा मोड़ के पास से अभियुक्त समीर अंसारी निवासी करैली प्रयागराज व अरबाज अहमद निवासी करैली प्रयागराज को गिरफ्तार किया।पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से ई-रिक्शा नम्बर ४ख़ 73३ 4770, मोटर साइकिल वढ 70 ल्फ 4948, 02 बैटरी व 350 रुपये नगद बरामद किए। बरामदगी पर धारा 317(2), 318(4) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध पूर्व से मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय भेज दिया है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, हादसे में 2 की मौत 4 घायल

कौशाम्बी में देखने को मिला तेज रफ्तार का कहर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है,जहा देर रात एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौके पर दर्दनाक ही मौत हो गई,जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भती कराया गया है,जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक फतेहपुर जनपद के रहने वाले 6 लोग कार में सवार हो कर एक शादी समारोह में शामिल होकर मंगलवार की रात वापस फतेहपुर लौट रहे थे। इसी दौरान सैनी कोतवाली क्षेत्र के कमासिन गांव के पास हाईवे पर स्विफ्ट डिजायर कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसे में राजेश यादव और राहुल पटेल की दर्दनाक मौत हो गई,जबकि अरविंद, अनिल, प्रदीप और देवनारायण गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भिजवाया,जहां उनका इलाज जारी है।पुलिस जांच के दौरान कार से शराब की बोतल भी बरामद हुई है,जिससे आशंका जताई जा रही है कि हादसा शराब के नशे में गाड़ी चलाने की वजह से हुआ है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। मृतक दोनों लोगों के शव कों कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटना की जानकारी परिवार वाले लोगों को दी गई है जिस पर परिवार के लोग भी रोते बिलखते पहुंच गए हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की दर्दनाक मौत

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मलाक नागर गांव में बुधवार देर शाम मूरतगंज से काजू जाने वाले मार्ग पर एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने पैदल जा रहे अधेड़ को जोरदार टक्कर मार दी जिससे अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई जानकारी के मुताबिक भगवान दीन पाल पुत्र स्वगीय रामसरन निवासी मलाक नागर थाना चरवा बुधवार की शाम खेत की ओर से पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि भगवान दीन पाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और दुर्घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम हुआ है।

पूर्व प्रधान मनोज हेला की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

रुपयों के लेनदेन और प्रेम प्रसंग में हुई तिहाई हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार दो अभी भी फरार

अखंड भारत संदेश

हररायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र में दस दिन पूर्व हुए पूर्व प्रधान हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है,जमीन के रुपयों के लेनदेन को लेकर और प्रेम प्रसंग को लेकर मामा भांजे सहित चार आरोपियों ने मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया था,पुलिस ने दो आरोपी मामा भांजे को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया है,जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार चल रहे है,पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर गंगा के कछार में बालू में दबाकर रखी गई एक बाइक भी प्रतापगढ़ जनपद की सीमा से बरामद की है। जानकारी के मुताबिक संदीपन घाट थाना क्षेत्र के आलमचंद्र गांव में 4 मई की सुबह गांव के पूर्व प्रधान मनोज कुमार हेला को बाइक सवार बदमाशो ने चार गोलियां मार दी थी,जिन्हें इलाज के लिए प्रयागराज में भती कराया गया था,जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी पूर्व प्रधान मनोज कुमार की मौत के बाद इस मामले में खूब राजनीति हुई और कई पाटी के प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर प्रशासन से खुलासे के लिए दबाव बनाया था।एसपी ने प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पूर्व प्रधान मनोज हेला की चार बदमाशो ने चार गोलियां मार दी थी,जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी,इस मामले के खुलासे के लिए टीमों का गठन किया गया था,पुलिस और सर्विलांस की टीम ने इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार दो आरोपियों सुलखान सिंह पुत्र छोटई एवं नीरज पुत्र कमलेश निवासी पट्टी नरवर थाना संदीपन घाट को गिरफ्तार किया है,जो कि आपस में मामा भांजे है,जबकि दो अन्य आरोपी सूरज और एक अन्य अभी भी फरार है,सूरज का मृतक से जमीन का डेढ़ लाख रुपए के लेनदेन का विवाद था,जिसे वह लगातार मांग रहा था,इनमें से एक आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है आशंका व्यक्त की जा रही रही है कि उक्त आरोपी पुराने मामले में न्यायालय में सरेंडर कर सकता है।पुलिस टीम ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा बरामद किया है।आरोपियों को लिखापढ़ी कर न्यायालय पेश किया है।

तेज रफ्तार कार रोककर छात्रों से मारपीट

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार सवार युवकों की दबंगई सामने आई है। कोचिंग पढ़कर घर लौट रहे छात्रों के सामने कार लाकर अचानक ब्रेक मारने के बाद विवाद इतना बढ़ गया कि गाली-गलौज के साथ जमकर मारपीट हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे दो लोगों को भी गंभीर चोटें आई हैं। घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के चंदई तारा गांव के पास बताया छात्र मंगल सिंह,धीरज सिंह और अमित कुमार कोचिंग पढ़कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार सवार युवक हर्ष और आदर्श ने अचानक उनके सामने कार लाकर ब्रेक मार दिया छात्रों ने जब विरोध करते हुए कहा कि क्या ऊपर चढ़ा दोगे,तो इस बात से नाराज होकर कार सवार हर्ष और आदर्श गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि कुछ ही देर में आरोपियों के घर वाले भी लाठी-डंडा लेकर मौके पर पहुंच गए और छात्रों के साथ जमकर मारपीट की। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे राम सिंह और रामचंद्र को भी गंभीर चोटें आईं।घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भती कराया गया,जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर चरवा थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

सफलता का ढिंढोरा पीट रहे अफसर...

हर घर जल योजना के नल में नहीं टपका बूंद भर पानी

करोड़ों रुपए का बजट खर्च किए जाने के बाद मोगरी कड़ा गांव में पेयजल आपूर्ति ना होने से गुस्साए ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। केंद्र की मोदी सरकार की हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी की टंकी और घर-घर पानी की सप्लाई के लिए पाइपलाइन बिछाए जाने के नाम पर करोड़ों रुपए का बजट खर्च किया जा रहा है लेकिन ग्रामीणों के नलों में बूंद भर पानी नहीं टपका है जिससे ग्रामीणों के सामने पानी की समस्या खड़ी हुई है हर घर जल योजना के तहत पानी की सप्लाई न होने से परेशान ग्रामीणों का सब्र टूट गया और गुस्साए ग्रामीणों ने सिराथू तहसील में जमकर नारेबाजी धरना प्रदर्शन किया और सरकार की छीछालेदर की सिराथू तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा मोंगरी कड़ा के ग्रामीणों के सब्र का बांध टूट गया और बुधवार को गांव के सैकड़ो लोगों ने सिराथू तहसील क्षेत्र में जमकर धरना प्रदर्शन नारेबाजी कर सरकार की छीछालेदर की है ग्रामीणों का आरोप है कि हर घर जल योजना के तहत ग्रामीणों के नलों में बूंद भर पानी नहीं टपका है जिससे पानी की विकराल समस्या खड़ी हुई है हाला कि इसके विपरीत अफसर ठेकेदार हर घर जल योजना की सफलता का ढिंढोरा पीट रहे हैं इतना ही नहीं मंच में माइक लेकर खड़े होकर नेता मंत्री जनप्रतिनिधि लंबे चौड़े भाषण देकर हर घर जल योजना की सफलता का ढिंढोरा पीट रहे हैं जबकि हकीकत में गांव के लोगों के नलों में हर घर जल योजना में पानी नहीं टपका है आखिर हर घर जल योजना के तहत धांधली करने वाले अफसर नेताओं ठेकेदारों के कारनामों की कौन जांच करने का साहस करेगा और योजना में धांधली करने वाले ठेकेदारों वा अफसरों को कौन दंडित करेगा यह बड़ा सवाल खड़ा है क्योंकि योजना से जुड़े ठेकेदार अपने को सरकार का चहेता बताते हैं जिससे अफसर भी ठेकेदारों पर कार्यवाही नहीं कर पा रहे हैं।

ग्राम के लगभग 40 प्रतिशत घरों तक नहीं हो पा रही है नियमित जलापूर्ति

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत गम्भीरा पूरब का किया स्थलीय निरीक्षण

कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मंगलवार को विकास खण्ड सिराथू की ग्राम पंचायत गम्भीरा पूरब का स्थलीय निरीक्षण किया।मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत निर्मित पानी की टंकी एवं उससे संचालित पेयजल व्यवस्था का गहन अवलोकन किया।मौके पर उपस्थित उपस्थित ग्रामवासियों द्वारा अवगत कराया गया कि पानी की टंकी भरने में लगभग 07 घण्टे का समय लग जाता है,जिसके कारण ग्राम के लगभग 40 प्रतिशत घरों तक नियमित जलापूर्ति नही हो पा रही है। कम प्रेशर एवं विलम्ब से टंकी भरने के कारण पेयजल आपूर्ति बाधित रहती है,जिससे दैनिक उपयोग में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है,जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अभियंता,जल निगम को निर्देश दिए कि पानी की सप्लाईलाइन एवं प्रेशर की तत्काल तकनीकी जांच कराकर समस्या का निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे प्रत्येक घर तक सुचारु रूप से पेयजल उपलब्ध हो सके। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत स्थित मॉडल तालाब के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी,खण्ड विकास अधिकारी सिराथू,सहायक विकास अधिकारी (पं.) को निर्देशित किया कि तालाब की विधिवत पैमाइश कराकर वास्तविक क्षेत्रफल निर्धारित कराया जाए इसके साथ ही तालाब को शासन की गंशा के अनुरूप विकसित करते हुए इसे एक आदर्श मॉडल तालाब के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने तालाब के सौन्दर्यीकरण, साफ-सफाई एवं जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने के भी निर्देश दिए मौके पर ग्रामवासियों ने अवगत कराया कि नारा माइनर के अंतिम छोर तक सिंचाई के लिए पानी नहीं पहुंच पा रहा है,जिससे किसानों को कृषि कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है,जिस पर मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता,सिंचाई को निर्देशित किया कि माइनर की तत्काल जांच कराते हुए आवश्यक मरम्मत एवं सफाई कार्य कराया जाए तथा एक सप्ताह के भीतर हेड टू टेल तक पानी पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए,जिससे किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सके। अभी तक टेल तक पानी न पहुँचने के फलस्वरूप सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाए निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता,जल निगम,जिला पंचायतराज अधिकारी,खण्ड विकास अधिकारी सिराथू,सहायक विकास अधिकारी एवं सहायक अभियंता लघु सिंचाई उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में राजनीति की नयी इबारत

तमिलनाडु की राजनीति में बड़े बदलाव रविवार, 10 मई 2026 से शुरू हुआ है। लगभग 50 सालों से यहां द्रमुक और अन्नाद्रमुक की बारी-बारी से चली आ रही सत्ता की परंपरा टूटी है और गैर-द्रविड़ पार्टी टीवीके की सरकार बनी है। 2024 में तमिला वेत्री कषगम यानी टीवीके को खड़ा करने वाले मशहूर अभिनेता और थलपति या दलपति के नाम से चर्चित जोसेफ विजय अब तमिलनाडु के नये मुख्यमंत्री बन चुके हैं। रविवार को कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की खास मौजूदगी और अपने अन्य सहयोगी दलों के नेताओं के बीच विजय ने चेन्नई में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान विजय की पोशाक भी चर्चा में रही। आमतौर पर तमिलनाडु में नेता सफेद कुर्ते, शर्ट और धोती में नजर आते हैं, लेकिन विजय ने सफेद शर्ट, ब्लेजर और काली पैंट पहनकर शपथ ली। नए मुख्यमंत्री विजय ने केवल पोशाक में बदलाव नहीं किया, बल्कि उन्होंने तमिलनाडु की राजनीति में एक नए बदलाव की बात भी कही। शपथ लेने के बाद अपने पहले भाषण में विजय ने कहा, 'यह एक नई शुरूआत है। अब असली धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय का एक नया दौर शुरू हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'मैं किसी शाही परिवार में पैदा नहीं हुआ हूं; मैं आप ही के बेटे, आप ही के भाई जैसा हूं- मैं आपका 'थंबी' (छोटा भाई) हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि गरीबी और भूख क्या होती है।' विजय ने यह भी कहा कि, 'मैं कोई फरिश्ता नहीं, बल्कि एक आम इंसान हूं।

खुद को फरिश्ता न मानना संभवतः नरेन्द्र मोदी के खुद को नॉन बायलॉजिकल कहने का जवाब हो। वहीं गरीबी और भूख से अपना पुराना नाता बताकर विजय ने नरेन्द्र मोदी के गरीब मां का बेटा और चायवाला होने के पैंतरे का भी जवाब दे दिया है। दक्षिण भारत में भाजपा की हालत यूं भी कुछ खास अच्छी नहीं है। आंध्रप्रदेश में भाजपा को तेलुगूदेसम पार्टी (टीडीपी) का आसरा है और पुड्डूचेरी में अपनी सरकार है। इसके अलावा केरल में उसे कांग्रेस से मात मिली है। तेलंगाना और कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार है। तमिलनाडु से ही भाजपा को उम्मीदें थीं कि यहां उसे भले एक सीट मिली है, लेकिन किसी भी दल को पूर्ण बहुमत न होने का लाभ आखिर में उसे ही मिलेगा और वह अन्नाद्रमुक के सहारे सत्ता पर पकड़ बनाएगी। लेकिन राहुल गांधी ने भाजपा की चालाकी तमिलनाडु में चलने नहीं दी। 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी टीवीके को कांग्रेस ने तुरंत ही अपना समर्थन दे दिया था कि वह सरकार बनाने का दावा पेश कर दे। लेकिन राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर इसी बात पर अड़े रहे कि टीवीके बहुमत के आंकड़े यानी 118 विधायकों के हस्ताक्षर लेकर आए, तभी सरकार बनाने का दावा मंजूर होगा। कम से कम तीन बार विजय को राजभवन से खाली हाथ लौटाया गया। लेकिन शनिवार शाम तक परिस्थितियां पूरी तरह विजय के पक्ष में बन गईं। कांग्रेस के अलावा माकपा, भाकपा, वीसीके और आईयूएमएल इन सबने भी टीवीके के लिए समर्थन पत्र सौंप दिया और तय हो गया कि अब विजय मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

-ः ललित गर्गः-

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार ह्यपकड़वा विवाहह्न के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम ह्यनारी शक्तिह्न और ह्यबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्न जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह ह्यसॉफ्टवेयर क्राइमह्न का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत

बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे।

आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा।

समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

मोदी की बंगाल जीत ने खोल दी विपक्षी एकजुटता की नई राह

शकील अख्तर

देश के सामने यह बहुत कठिन घड़ी है। लोकतंत्र के वास्तविक अर्थों में बने रहने का सवाल पैदा हो गया है। चुनाव किसी भी तरह से जीता जाना है। ऐसे में बड़े संघर्ष मजबूत इरादों की जरूरत है। अगले साल तक कोई चुनाव नहीं है। बहुत समय है। पहले खुद विपक्ष को एकजुट होना होगा और फिर संघर्ष की रूपरेखा ऐसी तैयार करनी होगी जिसमें युवा, मजदूर, किसान, छोटा रोजगार करने वालों की भागीदारी बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने वह हासिल कर लिया जो वे चाहते थे। अमेरिका के साथ की गई डील, ट्रंप द्वारा उनके और भारत के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियां और ईरान एवं अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका में उभरकर पाक की मजबूत अन्तरराष्ट्रीय स्थिति से उनके नेतृत्व पर उठे सवाल सब पृष्ठभूमि में चले गए।

केवल बंगाल बंगाल रह गया। बंगाल में वे इसलिए जीत चाहते थे और यह उसी दिन तय हो गया था जब एपस्टीन फाइल से लेकर बाकी जो सारे सवाल ऊपर लिखे हैं, उठना शुरू हो गए थे और मोदी के पास उनका जवाब नहीं था। 'कहें खेत की, सुनें खलिहान की'! मोदी जी यह खूब करते हैं। घर परिवार को बेवकूफ बनाने के लिए हमेशा से गैरजिम्मेदार लोग ऐसा ही करते थे। मोदी जी ने भी अपने और अपने से भी ज्यादा देश के खिलाफ जाने वाली डील और देश के खिलाफ इतनी बड़ी बात कि यह नरककुंड है, का जवाब देने के बदले बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार बनाकर बड़े सवालों को जीत के कालीन के नीचे छुपाने की कोशिश कर दी। अब यह विपक्ष पर है कि वह कैसे देश के सम्मान, हित के सवाल वापस जनता के ध्यान में लाए। बंगाल चुनाव से पहले मोदी बहुत बड़े संकट में थे। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने तक आने का साहस नहीं कर पाए थे। यह इतिहास में पहली बार हुआ है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब न दे पाए। और कारण ऐसा कि जिस पर खुद बीजेपी के लोग यकीन नहीं कर पाए कि प्रधानमंत्री को सदन के अंदर विपक्ष की महिला सदस्यों से खतरा है!

लेकिन बंगाल जीतकर आप देखिए कि कैसी हिम्मत आई कि अपनी पार्टी की सबसे ताकतवर रही महिला नेता का नमस्कार भी स्वीकार नहीं। वह नेता जो दस साल सरकार में सबसे ताकतवर रही हो। एक समय ऐसा भी था कि नंबर दो

जैसी हैसियत थी। अब वह बंगाल जीत के बाद कोलकाता के शपथ ग्रहण समारोह में एक बार नहीं दो दो बार हाथ जोड़ रही है मगर अब उसकी तरफ देखना भी गवारा नहीं। आंख में आंसू आ गए। बाकी सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने राज्य उत्तर प्रदेश पर ही ध्यान केन्द्रित करके यह ट्वीट कर ही दिया है कि नमस्कार का भी जवाब नहीं! महिला नेता ही अपमान झेलने को अकेली नहीं थीं एक मुख्यमंत्री भी थे। लेकिन अब मोदी को इन चीजों की कोई परवाह नहीं। बंगाल जीत कर वे खुद को विश्वविजयी समझने लगे हैं। बंगाल ही वह आखिरी किला था जहां भाजपा ने कभी सरकार का मुंह नहीं देखा था। जम्मू कश्मीर में भी वे उपमुख्यमंत्री पद तक पहुंच गए थे। पंजाब में भी सरकार में रहे। एक केरल जरूर बचा है मगर उसका राष्ट्रीय राजनीति में कोई ऐसा महत्व नहीं है जिस की वजह से वहां न जीतना किसी नकारात्मकता में आता हो। तमिलनाडु में भी भाजपा का दोनों द्रविड़ पार्टियों एआईडीएमके और डीएमके के साथ गठबंधन रहा है। बाकी और छोटी-छोटी बातों की डिटेल का कोई मतलब नहीं है। मुख्य बात यही है कि एक बंगाल ऐसा राज्य था जहां जीतकर मोदी यह बता सकते थे कि उनकी लोकप्रियता अभी भी बरकरार है। 56 इंच की छाती और लाल आंखों के रहने न रहने का कोई मतलब नहीं था। ऐसी तमाम कहानियां और गढ़ी जा सकेंगी। जैसे विश्वगुरू पर सवाल उठने लगे तो अब बंगाल जीत कर विश्वविजयी। उपमाएं बहुत गढ़ी जा सकेंगी। लेकिन जो बीजेपी और संघ में सवाल शुरू हो गया था कि जनता में मोदी की लोकप्रियता खत्म होने लगी है उसका जवाब उन्हें देना था। और बंगाल जीत कर वह उन्होंने दे दिया। बंगाल किस तरह जीता यह सबको मालूम है और यह भी मालूम है कि बंगाल जीतना ही था। बहुत बड़ा दांव लगा था। पहले चीन को सर्टिफिकेट देना कि कोई घुसा ही नहीं था, फिर ट्रंप के सीज फायर को मानना उसकी डील को, खुद पर देश पर कमेंट करने को, और अंत में अमेरिका और चीन द्वारा मिलकर पाकिस्तान को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उठाना इसके बाद खुद का ग्राफ गिरना ही था। लेकिन मोदी जानते हैं कि सबको बेवकूफ बनाया जा सकता है। भाजपा संघ को केवल जीत दिलाने वाला व्यक्ति चाहिए। सत्ता अब उनसे छोड़ी नहीं जा रही। पार्टी विद डिफरेन्स, राष्ट्र पहले यह सब बातें वे भूल चुके हैं और मोदी इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। बंगाल चुनाव उन्होंने मैनेज किया। और देखिए आज कहीं अमेरिका ट्रंप, चीन, पाकिस्तान के सवाल नहीं हैं। किसान मजदूर बेरोजगारी युवा के तो पहले ही खतम हो गए थे। गैस की प्राब्लम का तो बन ही नहीं पाया। हजारों मजदूर, मिस्त्री, छोटा कारोबार करने वाले शहर छोड़कर वापस गांवों में चले गए कि रोटी बनाने के लिए गैस नहीं मिल रही थी।

मगर कोई सवाल नहीं। यह भी नहीं कि गांव में करेंगे क्या? मनरेगा खतम होने के बाद गांव में काम ही नहीं। अभी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट आई है कि भारत में हर एक घंटे में एक किसान या खेत मजदूर आत्महत्या कर रहा है। यह 2024 के आंकड़े हैं। और इनमें 56 प्रतिशत खेत मजदूर हैं। खेत मजदूरों के पास गांवों में कोई काम नहीं है। उन्हीं के भाई, बेटे शहरों में आकर छोटा मोटा काम कर रहे थे। कुछ पैसे बचाकर घर भी भेज देते थे। मगर इन्हें भी गैस की समस्या की वजह से वापस जाना पड़ा। वहां कहां काम है? मनरेगा जो यूपीए सरकार के समय शुरू ही इस उद्देश्य से की गई था कि गांव वालों को उनके घर में ही रोजगार मिले वह मोदी सरकार ने बंद कर दी। पहले धीरे-धीरे इस योजना में पैसा देना कम किया फिर बंद ही कर दी। इसके बदले जी राम जी योजना शुरू करने की घोषणा तो बड़े जोर शोर से की गई मगर उसमें काम किसी को नहीं मिल रहा है। कुछ समय बाद लोग काम करना नहीं चाहते कह कर इसको उसी तरह बंद कर दिया जाएगा जैसे कई जगह सरकारी भर्तियां यह कह कर बंद कर दीं कि इनके लिए उपयुक्त लोग ही नहीं हैं। या जो आते हैं वे योग्य नहीं हैं।

खासतौर से दलित, पिछड़ों, आदिवासियों के आरक्षित पदों को यह कहकर ही नहीं भरा जा रहा कि नाट फाउंड सुटेबल। अब सवाल यह है कि क्या बंगाल का काला जादू ऐसा है कि सबकी आंखों पर परदा पड़ जाए? इसका जवाब केवल विपक्ष को ही देना होगा। क्योंकि वही ऐसा है जिसे इस जादू की काट करना है या जो कर सकता है। बाकी मीडिया तो पहले ही नशे में झूम रहा था अब और गहरा नशा चढ़ गया है। चुनाव आयोग, न्याय व्यवस्था बाकी संवैधानिक संस्थाएं मोदी के सामने कुछ भी बोलने की अपनी ताकत पहले ही गंवा चुकी है।

बस विपक्ष ही है जो अभी भी लड़ सकता है। वह लड़ भी रहा है। मगर अब उसे एकजुट होकर लड़ना होगा। ममता बनर्जी ने हार के बाद यह स्वीकार किया कि पहला दुश्मन बीजेपी ही है। अगर पहले कर लेतीं तो शायद अभी भी मुख्यमंत्री बनी रहतीं। मगर तब तो वे कांग्रेस को पहला शत्रु मानती थीं। और लेफ्ट को तो दुश्मन से भी आगे मैं उनका नाम भी सुनना पसंद नहीं करती कि श्रेणी में रखती थीं। मगर अब लेफ्ट की तरफ भी दोस्ती का हाथ बढ़ा रही हैं।

देश के सामने यह बहुत कठिन घड़ी है। लोकतंत्र के वास्तविक अर्थों में बने रहने का सवाल पैदा हो गया है। चुनाव किसी भी तरह से जीता जाना है। ऐसे में बड़े संघर्ष मजबूत इरादों की जरूरत है। अगले साल तक कोई चुनाव नहीं है। बहुत समय है। पहले खुद विपक्ष को एकजुट होना होगा और फिर संघर्ष की रूपरेखा ऐसी तैयार करनी होगी जिसमें युवा, मजदूर, किसान, छोटा रोजगार करने वालों की भागीदारी बने। फिर जनता का बड़ा वर्ग साथ आए। करना पड़ेगा। नहीं तो अकेले अकेले सब खत्म हो जाएंगे।

हाई स्कूल की परीक्षा के बाद इण्टमीडियट की परीक्षा में भी सरस्वती विद्या मन्दिर का दबदबा बरकरार

सुल्तानपुर। प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि बहन दीक्षा मिश्रा ने 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ इण्टमीडियट की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर अद्वितीय सफलता अर्जित की है। इसी विद्यालय के भैया यश शर्मा ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तो बहन दीपाली ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।इन भैया बहनों ने अपने प्रदर्शन से समूचे विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। कुल पांच भैया बहनों ने 95% से भी अधिक अंक अर्जित कर बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। परीक्षा प्रभारी गिरीश दूबे ने बताया कि पंजीकृत 632 छात्रों में से 631 छात्र उत्तीर्ण हुए । विद्यालय का परीक्षाफल 99.9 प्रतिशत रहा। कुल 596 भैया बहनें रिकॉर्ड बनाते हुए प्रथम श्रेणी में इण्टरमीडियट की परीक्षा उत्तीर्ण किए हैं। कुल 33 छात्र तो ऐसे हैं, जिन्होंने 90% से भी अधिक अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

गौर करने वाली बात यह है कि हाईस्कूल के रिजल्ट में समूचे जिले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद इण्टरमीडियट की परीक्षा में भी सरस्वती विद्या मन्दिर विवेकानन्द नगर के छात्रों ने अपना जलवा बरकरार रखा है। इस अवसर पर विभाग प्रचारक श्री प्रकाश, जिला प्रचारक आशीष, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार सिंह, प्रबंध समिति अध्यक्ष भोलानाथ अग्रवाल , प्रबंधक डाक्टर पवन सिंह, उपाध्यक्ष डॉ वी के झा, शैलेन्द्र कुमार चतुवेर्दी,उप प्रधानाचार्य रमेश मिश्र , अनिल पाण्डेय,शरद श्रीवास्तव, रंजना पाण्डेय, सरिता त्रिपाठी समेत समस्त विद्यालय परिवार ने कीर्तिमान स्थापित करने वाले भैया बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। परीक्षा में सफल छात्रों एवं उनके अभिभावकों को मिष्ठान्न खिलाकर माल्यार्पण कर उनका पूरे उत्साह के साथ अभिनन्दन किया गया ।

थाना धम्मौर पुलिस की पहल पर पति-पत्नी के विवाद का शांतिपूर्ण समाधान

सुल्तानपुर जनपद के थाना धम्मौर स्थित मिशन शक्ति केंद्र में उप निरीक्षक हरिकेश बहादुर सिंह, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार यादव एवं कांस्टेबल साधना द्वारा पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद का आपसी सहमति से समाधान कराया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम पक्ष दिलीप कुमार चौरसिया पुत्र रामबहादुर चौरसिया निवासी बरई का पुरवा कस्थूनी पूरब थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी एवं द्वितीय पक्ष पुष्पा चौरसिया पत्नी दिलीप चौरसिया पुत्री मंगरू चौरसिया निवासी देवरहर थाना धम्मौर जनपद सुलतानपुर के बीच काफी समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। विवाद बढ़ने के बाद मामला थाना धम्मौर पहुंचा, जहां पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को समझाकर आपसी सहमति से समझौता कराया।समझौते के दौरान दोनों पक्षों ने भविष्य में मिलजुल कर रहने और किसी प्रकार का विवाद न करने का भरोसा दिलाया। वहीं दिलीप कुमार चौरसिया ने शराब का सेवन न करने तथा पत्नी को प्रताड़ित न करने का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों पक्षों द्वारा सहमति से सुलहनामा तैयार किया गया।

थाना धम्मौर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत परिवार को टूटने से बचाने एवं नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में किए गए इस प्रयास की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

जयसिंहपुर रेंज के अंतर्गत हुए अग्रिम मृदा कार्य में महाघोटाला , अधिकारी और कर्मचारी ने मिलकर सरकारी धन का किया बंदरबाट

सुलतानपुरः जनपद के वन विभाग में वृक्षारोपण के नाम पर एक बहुत बड़े और व्यवस्थित घोटाले का मामला सामने आया है। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिना कोई वास्तविक काम किए, कागजों पर फर्जी गड्ढा खुदाई और पौधरोपण दिखाकर लाखों रुपये की सरकारी धनराशि का बंदरबांट कर लिया गया।इन अधिकारियों पर लगा आरोपःशिकायत में डिप्टी रेंजर चंद्र प्रकाश, वन दरोगा कृष्णकांत, वन दरोगा बेचू लाल, वन रक्षक विभाष सिंह और वन दारोगा फरीद अहमद की मिलीभगत से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया है। नवागत उद्द से न्याय की आसःहाल ही में कार्यभार संभालने वाले जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के पास यह गंभीर मामला पहुंचने के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। शिकायतकर्ता शिवप्रसाद (पुत्र अनिल प्रसाद) ने ठोस साक्ष्यों के साथ डीएम से न्याय की गुहार लगाई है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर चित्रकूट में आयोजित हुआ वेबिनार

अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

वेबिनार में प्रशिक्षण लेते अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले में अब गंदगी और अव्यवस्थित कचरा प्रबंधन के खिलाफ प्रशासन ने कमर कस ली है। मंगलवार को शहरी एवं आवासन मंत्रालय द्वारा आयोजित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित सेन्सिटाइजेशन वेबिनार में जिला प्रशासन ने सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा देने का संदेश दिया। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने एनआईसी कक्ष से विभिन्न नगर निकाय अधिकारियों के साथ प्रतिभाग कर स्वच्छता व्यवस्था को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। वेबिनार में घर-घर कूड़ा संग्रहण, स्त्रोत स्तर पर गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा वैज्ञानिक निस्तारण जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि स्वच्छता कार्यों को पारदर्शी, प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाया जाए। अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। उन्होंने नगर निकायों को जनजागरूकता अभियान तेज कर नागरिकों को स्वच्छता मिशन से जोड़ने तथा पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

राठ-महोबा-बांदा होते अब सीधे चित्रकूट, रोडवेज ने दी बड़ी सौगात

चित्रकूट। जनपद जालौन के उरई नगर से धर्मनगरी चित्रकूटधाम तक अब श्रद्धालुओं और यात्रियों का सफर पहले से कहीं अधिक आसान होने जा रहा है। स्थानीय जनता और विशिष्ट गणमान्यों की लगातार उठ रही मांग को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने उरई डिपो से चित्रकूटधाम तक सीधी बस सेवा शुरू कर दी है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक उरई डिपो केके आर्य ने बताया कि दो बसों को उरई-राठ-महोबा-बांदा-कर्वी मार्ग पर संचालित किया जा रहा है। लगभग 264 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर प्रतिदिन 528 किलोमीटर संचालन होगा। बसें प्रतिदिन सुबह 10 बजे उरई बस स्टेशन से रवाना होकर राठ, महोबा और बांदा होते हुए शाम 5:50 बजे कर्वी पहुंचेंगी, जबकि अगले दिन सुबह 7 बजे चित्रकूटधाम से वापसी करेंगी। नई सेवा शुरू होने से धार्मिक यात्रियों, व्यापारियों और आम नागरिकों में उत्साह देखा जा रहा है।

मिड-डे-मील पर छिड़ी जंग, छह महीने तक बच्चों की थाली बनी राजनीति का अखाड़ा

सीडीओ को करनी पड़ी पंचायत

चित्रकूट। जिले के पहाड़ी विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत रम्पुरिया अब्बल स्थित प्राथमिक विद्यालय में मिड-डे-मील संचालन को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया। विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका और ग्राम प्रधान के बीच लंबे समय से चल रहे मतभेद के कारण अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक मिड-डे-मील मद की व्यय धनराशि के चेकों पर हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे थे, जिससे विद्यालय व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए खण्ड शिक्षा अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) द्वारा आख्या भेजी गई थी, जिसमें ग्राम प्रधान के स्थान पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को शामिल करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल की अध्यक्षता में बुधवार को संयुक्त सुनवाई आयोजित हुई, जिसमें खण्ड शिक्षा अधिकारी, ग्राम प्रधान और इंचार्ज प्रधानाध्यापिका को आमने-सामने बैठाकर पक्ष सुने गए। सुनवाई के बाद सीडीओ ने अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक की धनराशि के चेकों पर ग्राम प्रधान से हस्ताक्षर कराए और दोनों पक्षों को आपसी सामंजस्य बनाए रखते हुए बच्चों के लिए नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण मिड-डे-मील संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मोहरवां ग्राम में सार्वजनिक बैठक कर वितरित किए गए आकार पत्र 23 के उद्धरण

कागजी खेल से बाहर आई चकबन्दी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चकबन्दी प्रक्रिया को पारदर्शी और विवादमुक्त बनाने की दिशा में प्रशासन ने मोहरवां गांव में नई पहल करते हुए पंचायत भवन को खुले फैसलों की चौपाल में बदल दिया। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) एवं उप संचालक चकबन्दी अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित सार्वजनिक बैठक में किसानों के सामने न केवल चक सृजन की पूरी प्रक्रिया रखी गई, बल्कि चक भूचित्र के आधार पर मौके पर जाकर उन्हें उनकी जमीन और चकों की वास्तविक स्थिति भी समझाई गई। चकबन्दी निदेशालय के निदेशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में आकार पत्र 23 भाग-1 के उद्धरण किसानों को सार्वजनिक रूप से वितरित किए गए, जिससे वर्षों से बंद कमरों और फाइलों में उलझी रहने वाली प्रक्रिया पहली बार गांव की चौपाल तक पहुंचती दिखाई दी। बैठक में अतुल सिंह, सुरेन्द्र सिंह, लव सिंह, रमेश सिंह और महेन्द्र सिंह सहित कई किसानों को दस्तावेज सौंपे गए। अधिकांश कृषकों ने सहायक चकबन्दी अधिकारी द्वारा प्रदर्शित चकों पर संतोष जताया। इस दौरान बन्दोबस्त अधिकारी मनोहर लाल वर्धन, चकबन्दी अधिकारी संजय कुमार शुक्ला, सहायक चकबन्दी अधिकारी गया प्रसाद समेत राजस्व व चकबन्दी विभाग का स्टाफ मौजूद रहा।

हनुमान की धरती पर बेजुबानों की बेदखली, वन विभाग पर उठे क्रूरता के सवाल

- बंदरों के अधिकारों पर क्यों सन्नाटा?
- राम की तपोभूमि में बंदरों का संकट

अखंड भारत संदेश

कैद में बंद पकडे हुए बंदर

चित्रकूट। भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट में इन दिनों बंदरों को पकड़ने का अभियान तेजी से चल रहा है। वन विभाग इसे मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने की कार्रवाई बता रहा है, लेकिन इस पूरे अभियान ने अब गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर जिन बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जा रहा है, क्या वन विभाग के पास इसका कोई प्रमाण है कि वहां उनका जीवित रहना सुरक्षित है? क्या यह सुनिश्चित किया गया है कि उन्हें भोजन, पानी और उनके समूह जैसा प्राकृतिक वातावरण मिल सकेगा, या फिर सिर्फ शहर से हटाकर जंगल में छोड़ देना ही समाधान मान लिया गया है? बड़ा सवाल है कि इस अभियान की निगरानी आखिर कौन कर रहा है। क्या किसी पशु चिकित्सक, वन्यजीव विशेषज्ञ या पशु अधिकार कार्यकर्ता को इस प्रक्रिया में शामिल किया गया है? पकड़े गए बंदरों की मेडिकल जांच कौन कर रहा है? क्या उनके परिवहन के दौरान पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और वन्यजीव संरक्षण नियमों का पालन हो रहा है, या फिर पूरा अभियान केवल कागजों में कार्रवाई दिखाने तक सीमित है? स्थानीय लोगों और पशु प्रेमियों का कहना है कि मानव राहत जरूरी है, लेकिन बेजुबान वन्यजीवों के अधिकारों को कुचलकर नहीं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बंदरों को उनके प्राकृतिक आवास और सामाजिक समूहों से अलग करना पारिस्थितिकी संतुलन के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। इसके बावजूद वन विभाग सिर्फ पकड़ो और छोड़ो मॉडल पर चलता दिखाई दे रहा है। सवाल यह भी है कि क्या यह अभियान वास्तव में समाधान है या फिर सिर्फ प्रशासनिक खानापूर्ति? राम और हनुमान की आस्था से जुड़ी इस धरती पर अब बंदरों की सुरक्षा से ज्यादा फाइलों की औपचारिकता भारी पड़ती नजर आ रही है।

बंदरों को पकड़ने के क्या हैं कानूनी नियम?

भारत में बंदरों को पकड़ने और एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान हैं। वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 और प्रीवेन्शन आफॅ क्रूयल्टी टू एनिमल्स एक्ट 1960 के तहत वन विभाग मनमाने तरीके से बंदरों को नहीं पकड़ सकता। नियमों के अनुसार पकड़ने के दौरान जानवर को कम से कम पीड़ा पहुंचनी चाहिए। मेडिकल जांच, भोजन-पानी, सुरक्षित और हवादार पिंजरे, तथा सुरक्षित परिवहन अनिवार्य हैं। गर्भवती या छोटे बच्चों वाले बंदरों के परिवहन पर विशेष सावधानी जरूरी है। वन विभाग को किसी भी विस्थापन से पहले रिलीज साइट (जहाँ बंदर छोड़े जाने हैं) का निरीक्षण करना होता है कि क्या वह क्षेत्र इतने नए बंदरों का बोझ उठा पाएगा। और अगर वन विभाग ने निरीक्षण किया है तो कितने बंदर छोडे जा सकते है? विशेषज्ञों के अनुसार बंदरों को उनके सामाजिक समूहों से अलग करना और बिना वैज्ञानिक अध्ययन के दूसरे क्षेत्रों में छोड़ना पारिस्थितिकी संतुलन के लिए खतरा बन सकता है। ऐसे में हर अभियान में नियमों के पालन और निगरानी पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

विनायकपुर वृद्धाश्रम में वरिष्ठ नागरिकों हेतु विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम

अब कानून देगा बुजुर्गों को ढाल

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले के विनायकपुर स्थित वृद्धाश्रम में मंगलवार को ऐसा माहौल दिखाई दिया, जहां उम्र से झुकी आंखों में पहली बार अपने अधिकारों की चमक नजर आई। उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के एक्शन प्लान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट द्वारा आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर ने बुजुर्गों को यह एहसास कराया कि वे अकेले नहीं हैं, बल्कि कानून उनके सम्मान और सुरक्षा की मजबूत ढाल बनकर खड़ा है। जिला जज एवं प्राधिकरण अध्यक्ष शेषमणि शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में सचिव इला चौधरी ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा की रक्षा करना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को उनके संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों की जानकारी देते हुए मुफ्त विधिक सहायता का भरोसा दिलाया। सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल कुलदीप सिंह ने माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि बच्चों और उत्तराधिकारियों के लिए बुजुर्गों की देखभाल कानूनी दायित्व है। वहीं स्वाती तिवारी ने संपत्ति हड़पने, उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना जैसे मामलों में कानूनी सुरक्षा की जानकारी दी। प्रशिक्षु देवांशी ने आयुष्मान भारत, पेंशन और स्वास्थ्य योजनाओं पर विस्तार से जानकारी देकर बुजुर्गों को सरकारी सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास किया।

एक जून को बांदा में आयोजित होगी मण्डलीय पेंशन अदालत, निस्तारण हेतु आवेदन आमंत्रित

चित्रकूट। वर्षों तक सरकारी सेवा देने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन, उपादान और पुनरीक्षण जैसी लंबित समस्याओं के समाधान के लिए अब प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल की अध्यक्षता में आगामी 01 जून को प्रातः 11 बजे आयुक्त कार्यालय बांदा में मण्डलीय पेंशन अदालत आयोजित होगी। इस अदालत में चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर और महोबा के पेंशनरों के लंबित सेवा निवृत्तिक लाभों से जुड़े मामलों का निस्तारण किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षक एवं उनके आश्रित निर्धारित प्रारूप में तीन प्रतियों सहित अपना प्रत्यावेदन 18 मई की शाम 4 बजे तक अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन कार्यालय, बांदा में पंजीकृत डाक या व्यक्तिगत रूप से जमा कर सकते हैं। तय समय सीमा के बाद कोई आवेदन स्वीकार नहीं होगा। साथ ही संबंधित कार्यालयाध्यक्ष को प्रत्यावेदन की प्रति देना और प्राप्ति रसीद लेना अनिवार्य होगा।

मंदाकिनी का दम घोंट रही गंदगी, अब विसर्जन कुंड की उठी जोरदार मांग

घाटों पर आस्था का कचरा या प्रशासनिक लापरवाही?

सफाई में लगे बुंदेली सेना के सदस्य

चित्रकूट। जिले में आस्था की धारा मंदाकिनी अब गंदगी और लापरवाही के बोझ तले कराहती नजर आ रही है। पन्नालाल घाट और मुक्तिधाम के आसपास दूसरे दिन भी बुंदेली सेना ने सघन सफाई अभियान चलाकर नदी से एक ट्रैक्टर से अधिक चोई घास, पॉलीथिन और पूजन सामग्री का मलबा बाहर निकाला। नदी की बदहाल स्थिति को लेकर संगठन ने जिलाधिकारी से पन्नालाल घाट, सम्पवेल और मुक्तिधाम के पास हवन-पूजन विसर्जन कुंड बनवाने की मांग उठाई है, ताकि लोग पूजन सामग्री सीधे नदी में फेंकने के बजाय निर्धारित कुंड में डालें। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि कर्वी में मंदाकिनी पुल के पास नगर पालिका द्वारा बनाए गए विसर्जन कुंड के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बड़ी संख्या में लोग अब उसी कुंड का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने राजाघाट और रामघाट में भी ऐसे कुंड बनाए जाने की आवश्यकता बताई। संगठन ने नयागांव छोटे पुल से बूढ़े हनुमान मंदिर तक प्रदूषित नदी को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य तय किया है। अभियान में अतुल सिंह, वीपी पटेल, जानकी शरण गुप्ता और अंकित पहारिया सहित कई कार्यकताओं ने श्रमदान किया।

मानिकपुर में पेयजल परियोजनाओं हेतु 92.96 लाख रुपये की दूसरी किश्त जारी

चित्रकूट। जिले के नगर पंचायत मानिकपुर में लंबे समय से पेयजल संकट झेल रहे इलाकों के लिए अब राहत की बड़ी खबर सामने आई है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि राज्य सेक्टर कार्यक्रम की पेयजल व्यवस्था योजना के अंतर्गत नगर पंचायत मानिकपुर के वाल्मीकि नगर पूर्वी, गोविन्द नगर और पटेल नगर में नलकूप अधिष्ठापन के तीन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा कराने के लिए शासन ने 92.96 लाख रुपये की द्वितीय किश्त जारी कर दी है। कुल 118.12 लाख रुपये की स्वीकृत परियोजना के तहत इन विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मानिकपुर को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वर्ष 2026-27 में स्वीकृत धनराशि का उपयोग करते हुए सभी लंबित कार्यों को तत्काल पूरा कराया जाए, ताकि आम जनता को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिल सके। शासन से धनराशि जारी होने के बाद अब मानिकपुर के उन मोहल्लों में उम्मीद जगी है, जहां गर्मियों में पानी की समस्या अक्सर लोगों की सबसे बड़ी परेशानी बन जाती थी।

आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण न होने पर 40 कीटनाशी विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

एक सप्ताह में पंजीकरण कराने का आदेश

चित्रकूट। जिले में कीटनाशी रसायनों के कारोबार पर अब डिजिटल निगरानी का शिकंजा कसता नजर आ रहा है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी राज पति शुक्ल ने बताया कि भारत सरकार द्वारा कीटनाशी रसायनों की गुणवत्ता मॉनीटरिंग के लिए संचालित आईपीएमएस पोर्टल पर जिले के सभी निजी विक्रेताओं और निमार्ता कंपनियों के प्रतिनिधियों को खरीद-बिक्री का पूरा ब्यौरा दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। लेकिन 174 लाइसेंसों के सापेक्ष केवल 125 विक्रेता ही पोर्टल पर पंजीकृत पाए गए। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए विभाग ने 40 निजी कीटनाशी विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण कर स्टॉक प्रबंधन की कार्रवाई पूरी नहीं की गई तो कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं संशोधित नियमावली 2022 के तहत लाइसेंस निरस्त कर दिए जाएंगे। इस कार्रवाई से जिले के कीटनाशी कारोबारियों में हड़कंप मच गया है और कृषि विभाग की सख्ती अब खुलकर सामने आने लगी है।

कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवा में मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट हेतु 60 लाख स्वीकृत

चित्रकूट। जिले के किसानों के लिए अब ज्वार, बाजरा, रागी और कोदो जैसी पारंपरिक फसलें केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि कमाई और आत्मनिर्भरता का नया रास्ता बनने जा रही हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र, गनीवा में मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना हेतु जिला खनिज फाउंडेशन मद से 60 लाख रुपये की स्वीकृति ने जिले में श्री अन्न क्रांति की नई उम्मीद जगा दी है। जिलाधिकारी की पहल पर स्थापित होने वाली यह आधुनिक यूनिट साफ-सफाई, ग्रेडिंग, मिलिंग और पैकेजिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी, जिससे किसानों को अपनी उपज का स्थानीय स्तर पर ही बेहतर मूल्य मिल सकेगा। अब किसान सिर्फ फसल नहीं उगाएंगे, बल्कि उसकी ब्रांडिंग और बाजार तक पहुंच के जरिए सीधे मुनाफे की नई कहानी लिखेंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल विकास और व्यवसायिक मार्गदर्शन भी देगा। इस योजना से महिला स्वयं सहायता समूहों और युवाओं के लिए रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर बढ़ेंगे।

सिंचाई बन्धु बैठक में गरजे किसान, अफसरों को मिला जवाबदेही का अल्टीमेटम

नहर से तालाब तक मचा हड़कंप

सिंचाई बन्धु की बैठक में मौजूद किसान व अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले में नई सिंचाई कॉलोनी स्थित संघ भवन मंगलवार को किसानों की पीड़ा और प्रशासनिक जवाबदेही का केंद्र बन गया, जहां आयोजित सिंचाई बन्धु की बैठक में बिजली, नहर और खराब व्यवस्थाओं को लेकर अफसरों की जमकर घेराबंदी हुई। उपाध्यक्ष दिनेश सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में साफ संदेश दिया गया कि अब किसानों की समस्याओं को फाइलों में दबाकर नहीं रखा जाएगा। भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधियों ने हर माह अनुपालन आख्या 25 तारीख तक उपलब्ध कराने की मांग उठाई, जबकि बनकट पम्प कैनाल की क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत का मुद्दा भी जोरदार ढंग से रखा गया। अतरौलीमाफी के खराब ट्रांसफार्मर और रेहुंटा गांव में जली केबल से परेशान ग्रामीणों की समस्या पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नांदी माइनर से सिकरिया तालाब भरने को लेकर भी सिंचाई विभाग को कड़े निर्देश मिले। बैठक में यह भी चर्चा रही कि वर्षों से जमे अधिकारियों के स्थानांतरण पर अब गंभीरता दिखाई जाएगी। विभिन्न विभागों के अधिकारियों और किसान नेताओं की मौजूदगी ने बैठक को खासा अहम बना दिया।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर सरकार की पैनी नजर

पश्चिम एशिया

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ ही, विदेश मंत्रालय ने खाड़ी देशों में फंसे लाखों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। सोमवार को हुई अंतर-मंत्रालयी बैठक में अधिकारियों ने पुष्टि की कि हालांकि स्थिति अभी भी अस्थिर है, लेकिन स्वदेश वापसी को सुगम बनाने और समुद्री व्यापार की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास जारी हैं। अतिरिक्त सचिव असीम आर महाजन ने बताया कि विदेश मंत्रालय घटनाक्रम पर नजर रखने और चिंतित परिवारों के लिए सूचना साझाकरण को सुव्यवस्थित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है।

महाजन ने उड़ान संचालन का विस्तृत विवरण देते हुए कहा कि हालांकि कुछ क्षेत्रों में अभी भी प्रतिबंध हैं, लेकिन समग्र कनेक्टिविटी में सुधार हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भूमि सीमा मार्गों के माध्यम से ईरान से 2,549 भारतीय नागरिकों की सफलतापूर्वक आवाजाही सुनिश्चित की है। भारतीयों को फिलहाल ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।उड़ानों की स्थिति के संबंध में, समग्र रूप से स्थिति में सुधार जारी है। संयुक्त अरब अमीरात का हवाई क्षेत्र खुला है; भारतीय और संयुक्त अरब अमीरात की एयरलाइंस भारत में विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें संचालित कर रही हैं। सऊदी अरब और ओमान के हवाई अड्डों से भी उड़ानें संचालित हो रही हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और कतर एयरवेज उड़ानें संचालित कर रही हैं। कुवैत और बहरीन का हवाई क्षेत्र खुला है। इराक का हवाई क्षेत्र सीमित उड़ान संचालन के साथ खुला है।

ईरान का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है; हमने भारतीय नागरिकों को ईरान की यात्रा से बचने की सलाह दी है और वहां पहले से मौजूद लोगों से हमारे दूतावास के सहयोग से वहां से निकलने का आग्रह किया है। अब तक, तेहरान स्थित हमारे दूतावास ने भूमि सीमा मार्गों के माध्यम से 2,549 भारतीय नागरिकों को ईरान से बाहर निकालने में सहायता की है। इजराइल का हवाई क्षेत्र खुला है, और सीमित उड़ान संचालन फिर से शुरू हो गया है।

समुद्री संघर्ष के खतरे के बावजूद, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने भारतीय जहाजों के लिए अपेक्षाकृत शांत स्थिति की सूचना दी है। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि पिछले तीन दिनों में भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों या विदेशी ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों से जुड़ी कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय नाविकों के कल्याण और निर्बाध समुद्री संचालन सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में स्थित हमारे दूतावासों और सभी समुद्री हितधारकों के साथ समन्वय कर रहा है। क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले तीन दिनों में भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों या विदेशी ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों से जुड़ी कोई घटना नहीं हुई है।

ये किस देश के विदेश मंत्री बने एस जयशंकर!

वेनेजुएला

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर भारत के अलावा एक और देश के विदेश मंत्री बन गए हैं। आप यह सुनकर चौंक गए होंगे। लेकिन यह दिलचस्प किस्सा सही में हुआ है। भारत से 14,000 कि.मी. दूर वेनेजुएला के पड़ोस में बैठे एक छोटे से देश ने गलती से विदेश मंत्री एस जयशंकर को अपना विदेश मंत्री बोल दिया है। इस देश की संसद के स्पीकर ने गलती से एस जयशंकर को अपना विदेश मंत्री बोल दिया। हालांकि उन्होंने अपनी गलती को जल्दी से सुधार लिया लेकिन उसके बाद इस देश की प्रधानमंत्री ने जो किया वह आपको हैरान कर देगा। इस देश की प्रधानमंत्री ने अपने ही स्पीकर से कहा कि आपसे एक चूक हो गई है। लेकिन एक तरीके से देखा जाए तो मैं भी डॉक्टर एस जयशंकर को अपने ही देश से आया हुआ ही मानना चाहूंगी। यह सुनकर विदेश मंत्री एस जयशंकर हंसने लगे।

मामला और दिलचस्प तब हो गया जब इसी देश की प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतने वाली बीजेपी की जमकर तारीफ की। इस देश की प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का विश्वास अब पीएम मोदी और बीजेपी पर ही है। यह पूरा वीडियो हम आपको दिखाएंगे। लेकिन जल्दी से इस देश के बारे में जान लीजिए। भारत से 14,000 किमी दूर बेहद ही रणनीतिक जगह पर स्थित इस छोटे से कैरेबियन देश का नाम त्रिनीड एंड टोबैगो है। आपको बता दें कि त्रिनीड एंड टोबैगो के पास तेल के भंडार हैं। यह देश कैरेबियन क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा उत्पादक है। आपको बता दें कि ईरान, अमेरिका जंग की वजह से पहले ही दुनिया ऊर्जा संकट से गुजर रही है। ऐसे में त्रिनिडा एंड टोबैको भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है।

इसी वजह से कई अहम मुद्दों पर बात करने के लिए विदेश मंत्री त्रिनिडार्ड और टोबैगो पहुंचे हुए थे। दिलचस्प बात देखिए कि त्रिनिडार्ड एंड टोबैगो की 40 से 45% आबादी भारतीय मूल की है। यहां ज्यादातर लोग भोजपुरी बोलते हैं। प्रधानमंत्री का नाम कमला प्रसाद बिसेसर है। यह देश भारत से इतना प्यार करता है कि गलती से जयशंकर को अपना विदेश मंत्री ही कह दिया।

राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन गरिमापूर्ण वार्ता के लिए तेहरान तैयार

ईरान

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सोमवार को कहा कि क्षेत्रीय तनावों से निपटने के लिए ईरान के सामने कई संभावित रास्ते हैं, जिनमें गरिमा और अधिकार के साथ की गई बातचीत भी शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कूटनीति के माध्यम से देश की सैन्य उपलब्धियों को और मजबूत किया जाना चाहिए। यह जानकारी ईरानी छात्र समाचार एजेंसी (आईएसएनए) ने दी है। आईएसएनए के अनुसार, पेजेशकियन ने ये टिप्पणियां फराज पुलिस बल के कमांडर-इन-चीफ और वरिष्ठ कमांडरों के एक समूह के साथ बैठक के दौरान कीं, जहां उन्हें उस बल के प्रदर्शन पर एक रिपोर्ट मिली, जिसे ईरानी अधिकारियों ने हालिया थोपा गया युद्ध बताया है। बैठक के दौरान, ईरानी राष्ट्रपति ने देश के आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। आईएसएनए के अनुसार, पेजेशकियन ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में फराज पुलिस बल की संरचना, उपकरणों को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर उनकी भूमिका विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

ईरान के भावी मार्ग के बारे में बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेहरान के सामने कई विकल्प हैं। पेजेशकियन ने कहा कि हमारे सामने अब कई विकल्प हैं; या तो हम गरिमा, अधिकार और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए बातचीत में प्रवेश करें और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों को साकार करें, या हम न तो युद्ध और न ही शांति की स्थिति में

रहें, या हम युद्ध और टकराव के मार्ग पर चलते रहें। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि तेहरान की प्राथमिकता सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय हितों द्वारा समर्थित कूटनीति है। उन्होंने कहा कि तर्कसंगत, तार्किक और राष्ट्रीय हित पर आधारित प्राथमिकता यह है कि युद्ध के मैदान में सशस्त्र बलों द्वारा प्राप्त विजय कूटनीति के क्षेत्र में भी पूरी हो और ईरानी राष्ट्र के अधिकार गरिमा और अधिकार की स्थिति से स्थापित हों। इस बीच, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि ईरान के प्रस्तावों का उद्देश्य न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित करना भी है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, बगाई ने कहा, हमारे प्रस्ताव में हमने केवल ईरान के वैध अधिकारों का मुद्दा उठाया था। हमने जो भी प्रस्ताव रखा था, वह तर्कसंगत और उदार था। उन्होंने आगे कहा, यह न केवल ईरान के राष्ट्रीय हितों के लिए, बल्कि क्षेत्र और दुनिया की भलाई और कल्याण के लिए भी जरूरी है।

यूएई से एनर्जी, भारत के लिए डबल मिशन!

नीदरलैंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी हफ्ते स्वीडन, नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली के दौरे पर जा सकते हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाना भारत की विदेश नीति की अहम जरूरत बन गया है। पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यूरोप यात्रा रद्द कर दी गई थी। अब नए कार्यक्रम में यूएई को भी शामिल किया गया है, जो भारतीय डायस्पोरा और ऊर्जा सुरक्षा दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीदरलैंड में मोदी अपने समकक्ष रॉब रॉब जेटन से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच व्यापार, ग्रीन इकॉनमी और हाई-टेक सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, ग्रीन एनर्जी, स्वास्थ्य और जल प्रबंधन के अलावा सेमीकंडक्टर सेक्टर में भी नई साझेदारी पर फोकस रहेगा। नीदरलैंड भारत का 11वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। माना जा रहा है कि इस यात्रा के दौरान निवेश, सप्लाई चेन, नई तकनीकों में सहयोग बढ़ाने को लेकर भी अहम समझौते हो सकते हैं। साथ ही, यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक और व्यापारिक सहयोग को नई गति मिलने की भी उम्मीद है।

तकनीक और निवेश पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री की स्वीडन और नॉर्वे यात्रा का मुख्य उद्देश्य इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और निवेश सहयोग को मजबूत करना है। पीएम मोदी नॉर्वे में तीसरी भारत-नॉर्डिक समिट में हिस्सा लेंगे। नॉर्डिक देशों को रिन्यूएबल एनर्जी और एडवास टेक्नोलॉजी में अग्रणी माना जाता है। इटली दौरे के दौरान टरटए और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी।

दुश्मन का काल बनेंगे

रूस

भारतीय सेना को आपातकालीन खरीद (ईपी-6) के तहत दो नए स्वदेशी युद्धक तंत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें यूएवी-लॉन्च्ड प्रिसिजन गाइडेड मुनिशन (यूएलपीजीएम) और अग्निका वीटीओएल-1 फर्स्ट-पर्सन व्यू (एफपीवी) कामिकेज ड्रोन शामिल हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि सफल उच्च-ऊंचाई, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) और प्रिसिजन गाइडेड मुनिशन फायरिंग परीक्षणों के बाद, सेना की पश्चिमी कमान के अधिकारियों की उपस्थिति में हैदराबाद में इन तंत्रों को सौंपा गया। यूएलपीजीएम और अग्निका वीटीओएल-1, दोनों तंत्रों को स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया गया है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यूएलपीजीएम, अपनी श्रेणी में भारत का पहला स्वदेशी लोइटरिंग मुनिशन (एलएलपीजीएम) है। यह प्रणाली इमेजिंग इन्फ्रारेड (आईआईआर) सीकर से लैस है और इसे यूएवी से स्थिर और गतिशील दोनों लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए लॉन्च किया जा सकता है। यूएवी की परिचालन सीमा 20 किलोमीटर तक है, जबकि स्वयं गोला-बारूद की मारक क्षमता 2.5 किलोमीटर है।

यह प्रणाली दिन और रात दोनों समय, सभी मौसम स्थितियों में काम करने के लिए डिजाइन की गई है। यह अपनी एंटी-जैमिंग और एंटी-स्पूफिंग क्षमताओं के कारण जीपीएस-बाधित और संचार-जाम वाले वातावरण में भी कार्य करने में सक्षम है।

यूएलपीजीएम में दो किलोग्राम का वारहेड होता है जो नरम और कठोर दोनों लक्ष्यों को निष्क्रिय करने में सक्षम है और इसकी सटीकता एक मीटर सीईपी (वृत्ताकार त्रुटि संभाव्यता) है।

भारत से संघर्ष को 'मरका-ए-हक' के रूप में मनाएंगे

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हर साल 10 मई को ह्यमरका-ए-हक दिवसह्न के रूप में मनाए जाने की घोषणा की। भारत के साथ पिछले साल हुए चार दिवसीय संघर्ष को इस्लामाबाद ने ह्यमरका-ए-हकह्न नाम दिया और इसके एक साल पूरे होने पर रविवार को समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शहबाज ने दावा किया कि पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने दुश्मन को ह्यह्यऐतिहासिक और उचित जवाबह्नह्न दिया। पहलगाम आतंकी हमले में अधिकतर पर्यटकों समेत 26 लोगों की हत्या के बाद भारत

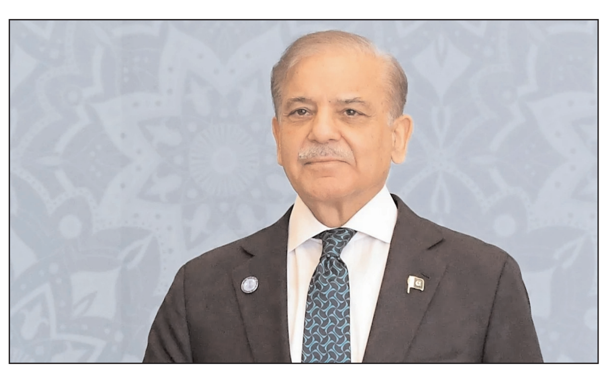

ने पिछले साल सात मई को ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम 100 आतंकवादियों को ढेर किया गया। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए, हालांकि उनमें से अधिकतर हमलों को भारतीय सेना ने विफल कर दिया। दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद पिछले साल 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति के साथ शत्रुता समाप्त हो गई। प्रधानमंत्री शहबाज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युद्ध रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की। उन्होंने संघर्ष के दौरान राजनयिक और राजनीतिक समर्थन देने के लिए सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को धन्यवाद भी दिया।

यह युद्ध का युग नहीं ...यूक्रेन को लेकर मोदी की पुतिन से सीक्रेट बातचीत?

रूस

रूस यूक्रेन युद्ध के मोर्चे से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही। दरअसल यह एक ऐसी खबर है जिसने वाशिंगटन से लेकर दिल्ली और बीजिंग तक खलबली मचा दी और सवाल खड़े कर दिए कि क्या पुतिन ने युद्ध रोकने का मन बना लिया? क्या यूक्रेन की जिद में आगे रूस ने शांति का रास्ता चुन लिया? लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर पुतिन ने अचानक भारत और चीन का नाम इतनी प्रमुखता से क्यों लिया? दरअसल राष्ट्रपति पुतिन का एक बयान जिसमें उन्होंने कहा कि हमने अपने दोस्तों भारत और चीन के साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया है। यह महज शब्द नहीं बल्कि बदलती हुई दुनिया का नया नक्शा है। रूस में विक्ट्री डे मनाया जा रहा है। यह वो दिन है जब रूस सोवियत संघ की नाजी जर्मनी पर जीत का जश्न मनाता है। लेकिन इस बार की जीत का जश्न शोरशराबे और टैंकों की गड़गड़ाहट से ज्यादा कूटनीति की मेज पर लड़ा जा रहा है। मॉस्को में परेड के बाद राष्ट्रपति पुतिन ने मीडिया के सामने आकर जो खुलासा किया उसने दुनिया को हैरान कर दिया। पुतिन ने ऐलान किया कि रूस यूक्रेन के साथ तीन दिनों के युद्ध विराम के लिए तैयार हो गया है। लेकिन यह युद्ध विराम रूस ने अकेले तय नहीं किया है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि इस स्थिति पर भारत, चीन और अमेरिका के साथ व्यापक चर्चा की। पुतिन का इशारा साफ था कि दुनिया की बड़ी ताकतें अब इस युद्ध को खत्म करने के लिए एक मेज पर आ रही

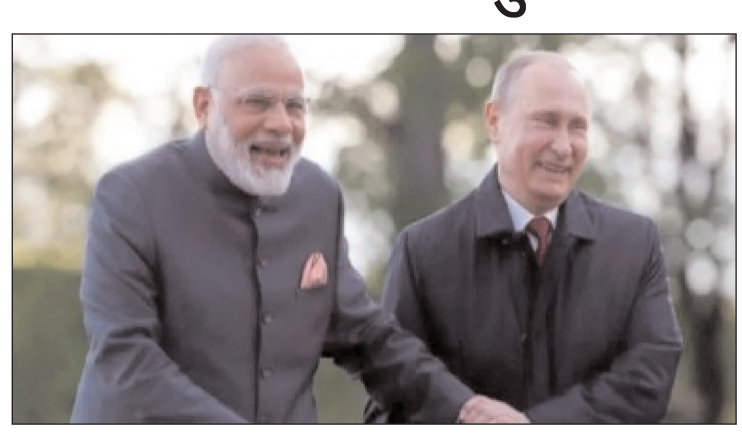

हैं। पुतिन ने अपने संबोधन में बार-बार भारत और चीन का जिक्र किया। पुतिन के शब्द थे कि हमने अपने प्रमुख साझेदारों और दोस्तों के साथ काम करना शुरू कर दिया है। विशेष रूप से पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना और भारत के दोस्तों के साथ। बयान भारत की वैश्विक स्थिति को एक नई ऊंचाई देता है। जब पूरी दुनिया दो धड़ों में बंटी हुई है तब रूस खुलकर यह कह रहा है कि वह शांति के लिए भारत की सलाह मान रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और ऐसा लगता है कि पुतिन ने अब इस बात को स्वीकार करना शुरू कर दिया है। चीन और भारत दो ऐसी महाशक्तियां हैं जो रूस के साथ सीधे संवाद में है और पुतिन ने इन्हें अपना मुकम्मल दोष बताकर पश्चिम को कड़ा संदेश भी दे दिया है। अब इस कहानी में एक और बड़ा ट्विस्ट आता है डोनाल्ड ट्रंप के नाम का। पुतिन ने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दिनों के युद्ध विराम का प्रस्ताव रखा था। पुतिन ने ना केवल इस प्रस्ताव को स्वीकार किया बल्कि ट्रंप की तारीफ भी की।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.: 9565333000
Email: akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

बॉर्डर पर भारत का बड़ा एक्शन देख बोला बांग्लादेश, दुश्मनी नहीं दोस्ती

बांग्लादेश

भारत बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। जहां घुसपैठ और तस्करी को रोकने के लिए कई सारे सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। बीते दिनों ही त्रिपुरा के सिपाही जाला जिले में जब आधी रात को तस्करी की कोशिश की गई तो बीएसएफ ने एक्शन लिया जिसके बाद बीएसएफ और संदिग्ध घुसपैठियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें दो बांग्लादेशी तस्कर मारे गए और अब इस घटना के बाद बांग्लादेश की ओर से इस पर बड़ा बयान सामने आया है। बांग्लादेशी सरकार के वरिष्ठ सलाहकार रूहल कबीर रिजवी ने कहा है कि बांग्लादेश भारत से दोस्ती चाहता है। लेकिन अगर बॉर्डर पर बार-बार खून बहेगा तो अच्छे रिश्ते बनाए रखना मुश्किल होगा। दरअसल ये पूरा मामला त्रिपुरा के कमाल सागर बॉर्डर आउटपोस्ट का है। जहां 8 मई की देर रात बीएसएफ की गश्ती टीम सीमा पर निगरानी कर रही थी। तभी बीएसएफ के जवानों को 10 से 15 लोगों का एक संदिग्ध समूह दिखाई देता है और ये लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भारतीय सीमा में घुसपैठ और तस्करी की कोशिश कर रहे थे। तभी बीएसएफ के जवान एक्शन में आए। पहले उन्होंने चेतावनी दी। लेकिन चेतावनी के बाद इन घुसपैठियों ने जमाने के ऊपर पत्थरबाजी शुरू कर दी। जिसके बाद स्थिति को बिगड़ता देख बीएसएफ ने फायरिंग शुरू कर दी और इस गोलीबारी में अफरातफरी मच गई और जब बाद में तलाशी ली गई तो वहां पर दो लोग गंभीर रूप से घायल मिले। जिन्हें बाद में

अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया और उनकी पहचान बांग्लादेशी नागरिक नवीन हुसैन और मोहम्मद मूरसालीन के रूप में हुई है। बांग्लादेशी नागरिक है और यही तस्करी की कोशिश कर रहे थे। घटना के बाद बांग्लादेश में हलचल तेज हो गई। प्रधानमंत्री तारिक रहमान के वरिष्ठ सलाहकार रूहुल कबीर रिवी ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। रिवी ने रविवार को डिप्लोमा इंजीनियरों के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ब्राह्मण बरिया सीमा पर दो लोगों को गोली मार दी गई है। जिसके साथ उन्होंने आगे यह कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है और दोस्ताना रिश्ते चाहता है। लेकिन सीमा पर लगातार हो रही मौत दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की जनता भी सीमा पर शांति चाहती है और हिंसा नहीं देखना चाहती। रिवी ने उम्मीद जताई है कि दोनों देश मिलकर इस मुद्दे का समाधान निकालेंगे ताकि सीमा पर शांति बने और द्विपक्ष रिश्ते और भी ज्यादा मजबूत हो। दरअसल भारत बांग्लादेश सीमा करीब 4000 किमी लंबी है और इस सीमा के कई इलाके ऐसे हैं जहां जंगल, पहाड़ और नदियां बहती हैं।

जिसकी वजह से निगरानी करना बेहद मुश्किल हो जाता है और इसी का फायदा उठाकर अक्सर तस्करी, अवैध घुसपैठ और ड्रग नेटवर्क सक्रिय हो जाते हैं। भारतीय सुरक्षा बल बीएसएफ लगातार इन गतिविधियों पर नजर बनाए रखती है और कई बार ऐसे ऑपरेशंस को अंजाम देती है जिनमें उन घुसपैठियों को मारना पड़ता है। इस हालिया घटना के बाद सीमा पर सुरक्षा और भी ज्यादा बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और बीजीबी यानी बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच फ्लैग मीटिंग हुई जिसमें मारे गए इन दोनों बांग्लादेशी तस्करों के शव को बांग्लादेश को सौंप दिया गया। वहीं भारतीय एजेंसियां अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या सीमा के अंदर कोई लोकल नेटवर्क है ।